राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,१५ मई २०२१ वर्ष-४, अंक -१११ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्य प्रदेश के 'खंडवा मॉडल' ने तेजी से कम किया संक्रमण, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी की प्रशंसा

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर अंचल में स्थित खंडवा जिले ने अभूतपूर्व ढंग से संक्रमण कम कर दिखाया है। यहां एक सप्ताह में ही संक्रमण दर 4.3 से घटकर 2.2 फीसद रह गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस %खंडवा मॉडल% की प्रशंसा की है। उन्होंने राज्य के अन्य जिलों को भी इस मॉडल के अनुसरण करने के निर्देश दिए हैं। विदित हो कि इससे पहले आक्सीजन की खपत नियंत्रित करने के लिए खंडवा जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भी मुख्यमंत्री तारीफ कर चुके हैं।

खंडवा ने उठाए ये कदम

संदिग्ध और कम लक्षण वाले संक्रमितों के लिए तहसील स्तर पर कोविड केयर सेंटर शुरू किए।

संक्रमण को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित करने के लिए किल कोरोना अभियान अंतर्गत मरीजों को कोरोना की दवाई की किट बांटी।

बढ़ते संक्रमण से निपटने के लिए स्वैच्छिक लॉकडाउन के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया।

जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कोरोना की सैंपलिंग और रेपिड किट से की जा रही जांच।

कोरोना के प्रति जागरूकता के लिए प्रशासनिक टीम के अलावा सेवा भारती और सामाजिक संस्थाओं को जोड़ा।

खंडवा के कलेक्टर अनय द्विवेदी ने कहा, %मास्क के उपयोग व शारीरिक दूरी के पालन करवाने पर शहर से लेकर गांव तक विशेष ध्यान दिया गया। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लोगों से बांड भरवाने के साथ ही प्रतिदिन समीक्षा कर नियंत्रण के प्रयास किए गए। शासन की गाइडलाइन और जनप्रतिनिधियों के सुझाव पर अमल से जिले में संक्रमण की दर घट रही है। तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए जरूरी व्यवस्था की जा रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी समेत इन नेताओं ने दी शुभकामनाएं, नमाज के लिए यहां दिखी लोगों की भारी भीड़

नई दिल्ली। देश भर में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन त्योहार पर सभी एक दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे हैं। लोगों से अपील की गई है कि त्योहार मनाते समय सोशल डिस्टेंसिंग जैसी सभी कोरोना गाइडलाइन्स का सख्ती से पालन करें। त्योहार के इस मौके पर देश के बड़े-बड़े नेताओं ने भी लोगों को ईद की बधाई दी है।

देश के प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की बधाई दी है. उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं। सभी के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रार्थना करना। हमारे सामूहिक प्रयासों से हम वैश्विक महामारी को दूर कर सकते हैं और मानव कल्याण को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं। ईद मुबारक!

देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ईद की शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, सभी देशवासियों को

ईद मुबारक! यह त्योहार, आपसी भाईचारे और मेल-जोल की भावना को मजबूत करने तथा स्वयं को मानवता की सेवा करने के लिए फिर से समर्पित करने का अवसर है। आइए, हम कोविड-19 से निपटने के लिए सभी नियमों के पालन करने का तथा समाज व देश की भलाई के लिए काम करने का संकल्प लें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी देशवासियों को ईद की बधाई दी है। उन्होंने कहा है, इस मुश्किल समय में भाईचारे से एक-दूसरे की मदद करना ही हर धर्म-मज़हब की सीख है- यही हमारे देश की परम्परा रही है। आप सभी को ईद मुबारक!

ईद का यह त्योहार ऐसे समय में आया है जब कोरोना वयरस ने पूरे देश में मायूसी का माहौल बना रखा है। हर रोज हजारों लोगो कोरोना के कारण मारे जा रे हैं। ऐसे में ईद मनाने के लिए लोग वायरस को नजरअंदार कर सभी गाइडलाइन्स का उल्लंघन करते भी दिखे। पंजाब में अमृतसर की जामा मस्जिद खैरुद्दीन हॉल बाजारी में ईद की नमाज पढ़ने के लिए लोगों की भारी भीड़ दिखी।

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नक़वी ने भी ईद पर अपने घर पर नमाज़ अदा की। मुख्तार अब्बास नक़वी ने कहा, सभी की सेहत और सलामती की दुआओं के साथ ईद की शुभकामनाएं। हमें प्रिकॉशन, प्रिवेंशन और प्रेयर के जरिए ही इस महामारी से भारत और पूरी दुनिया की इंसानियत को निजात दिलानी है।÷

दिल्ली में ईद-उल-फितर के मौके पर मुसलमान अपने घरों में नमाज करते हुए दिखाई दिए। बता दें कि कोरोना को देखते हुए राजधादी दिल्ली में लॉकडाउन लगाया गया है जिसके कारण लोगों के इकट्ठा होने पर मनाही है। लोगों से अपील की गई है कि वे घर पर ही ईद के इस पावन त्योहार को मनाए।

देश के प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की बधाई दी है. उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं। सभी के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रार्थना करना। हमारे सामूहिक प्रयासों से हम वैश्विक महामारी को दूर कर सकते हैं और मानव कल्याण को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं। ईद मुबारक!

जल्द दूर होगी वैक्सीन की किल्लत, दूसरी कंपनी भी बनाएगी कोवैक्सिन, भारत बायोटेक तैयार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक अन्य कंपनियों को आमंत्रित करने के लिए तैयार हैं, जो कोवैक्सिन का उत्पादन करने में मदद करना चाहते हैं। एक शीर्ष सरकारी सलाहकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। आपको बता दें कि में भारत कोरोनो वायरस के टीके की कमी से जूझ रहा है। NITI आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने कहा, लोग कहते हैं कि कोवैक्सिन के निर्माण की जिम्मेदरी अन्य कंपनियों को भी दी जानी चाहिए। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि चर्चा के दौरान Covaxin निर्माण कंपनी (भारत बायोटेक) ने इसका स्वागत किया है। डॉ. पॉल ने कहा ÷इस वैक्सीन की मदद से एक जीवित वायरस को निष्क्रिय कर दिया जाता है। यह केवल क्लिनिकल (बायोसेफ्टी लेवल) प्रयोगशालाओं में ही तैयार किया जाता है। प्रत्येक कंपनी के पास यह नहीं है। वे कंपनियां जो कोवैक्सिन का निर्माण करना चाहती हैं हम उन्हें खुला निमंत्रण देते हैं। इसे एक साथ करना चाहिए। केंद्र सहायता करेगा ताकि क्षमता बढ़ाई जा सके। डॉ. पाल का बयान उस दिन आया जब सरकार ने घोषणा की कि इस साल अगस्त से दिसंबर के बीच कोरोनो वायरस टीकों की 200 करोड़ से अधिक खुराक बनने की उम्मीद है। आपको बता दें कि विपक्ष लगातार आरोप लगा

रहा है कि सरकार ने वैक्सीन योजना को गलत तरीके से पेश किया था। सरकारी आंकड़ो के अनुसार, भारत में रोजाना 4000 के करीब मरीजों की कोरोना के कारण मौत हो रही है। संक्रमण के नए मामले भी बीते दिनों चार लाख के पार कर गए। इस बीच कई राज्यों में टीकों की कमी के बीच एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की खुराक के बीच के अंतराल को 16 सप्ताह तक बढ़ा दिया गया है। भारत में कोरोना की दूसरी लहर ने विशेषज्ञों की भी चिंता बढ़ा दी है।

कोरोना कहर के बीच आफत

अब दिल्ली-मुंबई समेत इन राज्यों में 18+ वालों के टीकाकरण पर ब्रेक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का कहर भारत में बढ़ता ही जा रहा है। कोरोना के खिलाफ जंग में टीकाकरण अब तक सबसे कारगर हथियार रहा है, मगर अब इसकी रफ्तार पर भी ब्रेक लगता दिख रहा है। कोरोना महामारी के बीच कई राज्यों में टीकाकरण पर ब्रेक लग गया है। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान और कर्नाटक में टीके की कमी के चलते केंद्रों को बंद कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को टीके की कमी के कारण 117 से ज्यादा टीका केंद्रों पर ताला लटका रहा।

राज्यों ने दिया तर्क-महाराष्ट्र और कर्नाटक ने अब 18+ वालों के लिए टीकाकरण रोक दिया है, क्योंकि राज्य के पास वैक्सीन की कमी है। महाराष्ट्र का कहना है कि कोवैक्सीन की सप्लाई ना होने की वजह से टीकाकरण रोका जा रहा है, ताकि 45 प्लस वालों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी जा सके।

इसके अलावा, कर्नाटक ने भी यही तर्क

दिल्ली, मुंबई, राजस्थान और कर्नाटक में टीके की कमी के चलते केंद्रों को बंद कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को टीके की कमी के कारण 117 से ज्यादा टीका केंद्रों पर ताला लटका रहा।

दिया है कि उसकेपास भी 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन की डोज पर्याप्त मात्रा में मौजूद नहीं है। इसलिए कर्नाटक में भी वैक्सीनेशन को रोका जा रहा है। वहीं, दिल्ली का कहना है कि उसके पास 18 से 44 साल वालों के लिए महज 3.9 लाख वैक्सीन की डोज बची है।

जयपुर में टीका खत्म-राजस्थान के जयपुर में भी लोगों को टीका नहीं लगाया जा सका। राज्य में बुधवार को दो लाख वैक्सीन हीं बची थी, लेकिन सुबह कुछ घंटों में ही वैक्सीन खत्म हो गई।

गुजरात में 45+ वालों के लिए टीकाकरण तीन दिनों के लिए रोका गया

केंद्र सरकार द्वारा कोविशील्ड की दो खुराकों के बीच अंतराल को बढ़ाने के साथ ही गुजरात में 45 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए टीकाकरण 14 मई से तीन दिनों के लिए रोक दिया गया है। भारत सरकार ने एक सरकारी पैनल की सलाह पर कोविशील्ड टीके की दो खुराक लगवाने के बीच के समय को 6-8 सप्ताह से बढ़ाकर 12-16 सप्ताह करने का फैसला लिया है। इस आयु वर्ग के लिए टीकाकरण 17 मई को फिर से शुरू होगा।

टाइम्स ग्रुप की अध्यक्ष इंदु जैन का निधन, पीएम मोदी ने शोक जताया

मुंबई। टाइम्स ग्रुप की अध्यक्ष इंदु जैन का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली में अंतिम सांस ली। टाइम्स समूह के समाचार चैनल 'टाइम्स नाउ' ने एक ट्वीट में जैन को आजीवन आध्यात्मिक साधक, अग्रणी परोपकारी, कला की प्रतिष्ठित संरक्षक और महिला अधिकारों का जबदस्त समर्थक बताया। बताया जा रहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न जटिलताओं के कारण उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदु जैन के निधन पर शोक जताया और कहा कि सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए पहल, भारत की प्रगति को लेकर उनके जज्बे और संस्कृति के प्रति गहरी दिलचस्पी के लिए उन्हें याद किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, टाइम्स समूह की अध्यक्ष इंदु जैन के निधन से दुखी हूं। सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में

उनके द्वारा उठाए गए कदमों, भारत की प्रगति को लेकर उनके जज्बे और संस्कृति के प्रति गहरी दिलचस्पी के लिए उन्हें याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने इंदु जैन के साथ अपने संवाद के अवसरों को याद किया और परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की। जैन कल्याणकारी गतिविधियों के लिए स्थापित टाइम्स फाउंडेशन की संस्थापक भी थीं और उन्होंने उद्योग लॉबी फिक्की की महिला विंग की भी स्थापना की। उन्हें 2016 में देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

वैक्सीन की मांग पर राज्यों के आरोप से स्वास्थ्य मंत्री नाराज, बोले- यह संकीर्ण राजनीति

नई दिल्ली। देश में जारी कोरोना संकट के बीच टीके की कमी को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें आमने-सामने है। उनका कहना है कि उन्हें प्रयाप्त संख्या में टीके नहीं मिल रहे हैं। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा है कि राज्यों के ये आरोप सरकार के समग्र दृष्टिकोण को नुकसान पहुंचाता है और जनता में संकीर्ण राजनीतिक जुनून पैदा करता है। स्वस्थ्य मंत्री की यह टिप्पणी तब आई जब उन्होंने महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान और दिल्ली सहित छह राज्यों के साथ कोविड -19 स्थिति की समीक्षा की। ये सभी राज्य महामारी की दूसरी लहर से बुरी तरह

प्रभावित हुए हैं। बैठक के दौरान सभी राज्यों की आम मांग राज्यों के लिए टीकों का कोटा बढ़ाने की थी। 1 मई से 18 से 44 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों के लिए टीकाकरण शुरू होने के बाद, राज्य टीके की कमी की रिपोर्ट कर रहे हैं क्योंकि वर्तमान आपूर्ति 45 वर्ष से अधिक और 45 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए पर्याप्त नहीं है। चूंकि केंद्र ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 45+ की आबादी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है क्योंकि वे अधिक असुरक्षित हैं और उनमें से कई ने पहले ही एक खुराक प्राप्त कर ली है। फिलहाल दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान सहित कई राज्यों ने 45 साल से कम उम्र के लोगों का टीकाकरण रोक दिया है। मंत्री ने कहा कि टीकों की उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा रहा है और राज्यों के पास अपनी आबादी के लिए टीकों की खरीद के लिए गैर-सरकारी चैनल भी हैं। गैर-सरकारी चैनल द्वारा, उन्होंने राज्यों को टीका निर्माताओं के लिए सीधे टीके लगाने की अनुमति देने की केंद्र की नई रणनीति का उल्लेख किया। बैठक में उपस्थित स्वास्थ्य मंत्रियों ने मंत्री से विदेशी निर्माताओं से टीकों की खरीद के लिए एक आम नीति बनाने का अनुरोध किया। स्वास्थ्य मंत्री के बयान के विपरीत, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि विदेशी वैक्सीन निर्माताओं से संपर्क करने वाला प्रत्येक राज्य दुनिया में भारत की छवि को खराब करता है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन खरीदने की इस दौड़ में राज्यों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा किया गया है। विदेशी टीके प्राप्त करने में अमीर राज्य और नागरिक निकाय दूसरों से आगे होंगे।

देश में गहराया एक और संकट, 10 राज्यों में ब्लैक फंगस ने दी दस्तक

नई दिल्ली। देश के 10 राज्यों में कोरोना मरीजों के लिए ब्लैक फंगस यानी म्यूकोरमाइकोसिस नाम की जानलेवा बीमारी ने संकट बढ़ा दिया है। ब्लैक फंगस स्वस्थ हो चुके कोविड संक्रमितों की आंखों की रोशनी छीन रहा है। यह इतनी गंभीर बीमारी है कि मरीजों को सीधा आईसीयू में भर्ती करना पड़ रहा है। ब्लैक फंगस के सबसे ज्यादा मामले गुजरात में सामने आए हैं। इसके अलावा ब्लैक फंगस ने महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्यप्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, यूपी, बिहार और हरियाणा में मुसीबत बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार साइनस की परेशानी, नाक का बंद हो जाना, दांतों का अचानक टूटना, आधा चेहरा सुन्न पड़ जाना, नाक से काले रंग का पानी निकलना या खून बहना, आंखों में सूजन, धुंधलापन, सीने में दर्द उठना, सांस लेने में समस्या होना एवं बुखार होना म्यूकरमाइकोसिस के लक्षण हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, यह सबसे ज्यादा उन कोविड-19 मरीजों में मिल रहा है जिन्हें मधुमेह है। गुजरात - गुजरात में इसके सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। राज्य सरकार ने इसके लिए अस्पतालों में अलग वार्ड बनाने शुरू कर दिए हैं। सरकार ने इसके इलाज में काम आने वाली दवा की 5,000 शीशियों की खरीद की है। गुजरात में अब तक ब्लैक फंगस के 100 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। जिसके चलते कई मरीजों की आंखो की रोशनी जा चुकी है।

महाराष्ट्र - महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोप ने बताया कि राज्य में दो हजार से ज्यादा ब्लैक फंगस के मामले सामने आए हैं। राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों को ब्लैक फंगस के उपचार केंद्र के रूप में उपयोग करने का निर्णय लिया है। बुधवार को ठाणे में ब्लैक फंगस के चलते दो मरीजों की मौत हो गई।

राजस्थान-पिछले 24 घंटों के दौरान जयपुर में ब्लैक फंगस के 14 मामले सामने आए। इनमें दो रांची, चार राजस्थान, पांच यूपी और अन्य दिल्ली-एनसीआर के मरीज जयपुर में इलाज कराने के लिए पहुंचे। इनमें से कई लोगों की आंखों की रोशनी जा चुकी है।

ओडिशा-राज्य में सोमवार को 71 वर्षीय डायबिटीज के मरीज में ब्लैक फंगस का पहला मामला सामने आया। मरीज जाजपुर जिले का रहने वाला है।

मध्य प्रदेश-मध्यप्रदेश में ब्लैक फंगस से दो लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। राज्य में इसके 50 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। ब्लैक फंगस से निपटने के लिए मप्र सरकार के डॉक्टर अमेरिकी डॉक्टरों से परामर्श ले रहे हैं।

तेलंगाना-हैदराबाद में ब्लैक फंगस के 60 के करीब मामले मिले हैं। इनमें से लगभग 50 मामले एक महीने के अंदर जुबली हिल्स के अपोलो हॉस्पिटल में सामने आए। जबकि अन्य पांच-पांच मामले कंटीनेंटल हॉस्पिटल और एस्टर प्राइम हॉस्पिटल में सामने आए।

कर्नाटक- बेंगलुरु के ट्रस्ट वेल हॉस्पिटल ने बताया कि पिछले दो हफ्तों से यहां पर ब्लैक फंगस के 38 मामले आए हैं। संक्रमितों को विशेष देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से अस्पताल में एक विशेष इकाई स्थापित की गई है।

क्या है म्यूकोरमाइक्रोसिस?

इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार म्यूकोरमाइक्रोसिस इंफेक्शन है, जो शरीर में बहुत तेजी से फैलता है। यह इंफेक्शन नाक, आंख, दिमाग, फेफड़े या फिर स्किन पर भी हो सकता है। इस बीमारी में कई बार आंखों की रोशनी तक चली जाती है। कुछ मामलों में तो जबड़े और नाक की हड्डी तक गल जाती है।

कोरोना के मरीजों को ज्यादा खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि म्यूकोरमाइक्रोसिस आम तौर पर उन लोगों को तेजी से अपना शिकार बनाता है जिनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम होती है। कोरोना के दौरान या फिर ठीक हो चुके मरीजों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है, इसलिए वह आसानी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। खासतौर से कोरोना के जिन मरीजों को डायबिटीज है। शुगर लेवल बढ़ जाने पर उनमें म्यूकोरमाइक्रोसिस खतरनाक रूप ले सकता है। यह संक्रमण सांस द्वारा नाक के जरिये व्यक्ति के अंदर चला जाता है, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, उनको यह जकड़ लेता है।

मजबूत इम्युनिटी वालों को खास खतरा नहीं-म्यूकर माइकोसिस मरीज के साइनस के साथ आंख, दिमाग, फेफड़ों या त्वचा पर भी हमला कर सकता है। समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह जानलेवा भी हो सकता है। ब्लैक फंगस ऐसे लोगों पर खासतौर पर असर डालता है, जिनकी बीमारियों से लड़ने की क्षमता यानी इम्युनिटी कमजोर होती है। मजबूत इम्युनिटी वाले लोगों के लिए आमतौर पर ब्लैक फंगस खास खतरा नहीं होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मानव गरिमा का सवाल

प्रसिद्ध कन्नड़ उपन्यासकार स्वर्गीय यू आर अनंतमूर्ति के बहुचर्चित उपन्यास संस्कार की कहानी प्लेग की महामारी के दौरान मरे एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार की दुविधा से शुरू होती है। 19वीं सदी के अंतिम दशक और 20वीं सदी के पहले दो दशकों में भारत में प्लेग का संक्रमण हुआ था। उस उपन्यास में महामारी की भयावहता और उसके जो सामाजिक, धार्मिक, निजी आयाम हमें देखने को मिलते हैं, किसने सोचा होगा कि उससे कई गुना बड़े आकार में ये 21वीं सदी में देखने को मिलेंगे। पिछले कई दिनों से गंगा व कर्मनाशा नदियों में सैकड़ों की तादाद में शवों को बहा देने की खबरें आ ही रही हैं कि अब उन्नाव में गंगा के किनारे रेत में बड़ी संख्या में शवों को दफ्नाए जाने की विचलित करने वाली तस्वीरें और खबरें आ रही हैं। ऐसा लग रहा है कि शवों का बाकायदा दहन न कर सकने की वजह से लोग उन्हें रेत में गाड़कर चले जा रहे हैं। तस्वीरें देखकर लगता है कि उथली रेत में दफ्नाए गए शवों की संख्या काफी बड़ी है। सरकार ने इस बात की जांच के आदेश दिए हैं और इस पर कार्रवाई जरूर होगी, लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह कोई कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि मानवीय समस्या है और इसका इलाज भी मानवीय आधार पर ही किया जाना चाहिए। शायद कोई भी ऐसा नहीं चाहेगा कि उसके आत्मीय का अंतिम संस्कार गरिमा और रीति-रिवाज के साथ न हो। लेकिन पिछले दिनों ऐसी खबरें बहुत आई हैं कि उत्तर प्रदेश और बिहार के गांवों तक में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल गया है। जब शहरों, कस्बों तक में जांच व इलाज को लेकर मारामारी है, तब गांव में तो इन बातों की उम्मीद करना ही बेकार है। जो लोग कोरोना से मर रहे हैं, उनमें से ज्यादातर की मौत सरकारी आंकड़ों में दर्ज ही नहीं हो रही है। अगर कोरोना से उतने ही मरीज मर रहे होते, जितने सरकारी आंकड़ों में दर्ज हैं, तो श्मशानों, कब्रिस्तानों में ऐसी अफरा-तफरी की नौबत आनी ही नहीं चाहिए थी। उत्तर प्रदेश सरकार में कोरोना से मरने वालों के अंतिम संस्कार के लिए आर्थिक सहायता देने का वादा किया है, लेकिन अगर किसी की कोरोना जांच ही नहीं हुई, तो उसे कोरोना मरीज कैसे मान लिया जाएगा? ऐसे में, इस सहायता का फायदा शायद ही किसी को मिले। साफ है, अगर लोग शवों को रेत में दफ्ना रहे हैं या नदी में बहा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे अंतिम संस्कार कर पाने में असमर्थ हैं। इसकी कई वजहें हो सकती हैं। श्मशानों में जगह नहीं है, लकड़ियां नहीं है, अंतिम संस्कार का खर्च इतना बढ़ गया है कि मरीज के इलाज में पहले ही लुट चुके लोग उस भार को भी उठा सकने में असमर्थ हैं। फिर इन दिनों गरमी भी बढ़ गई है, ऐसे में मृत देह को रखकर ज्यादा वक्त तक इंतजार भी नहीं किया जा सकता। इन शवों की वजह से कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं, बल्कि हो रही हैं। चील-कौए और कुत्ते इन शवों को नोच रहे हैं। जो शव उथली रेत में दफ्न किए गए हैं, वे बारिश में बहकर नदी में पहुंच सकते हैं और इनके सड़ने से कई बीमारियां फैल सकती हैं। लेकिन सबके ऊपर यह मानवीय समस्या है। यह हमारे समाज और प्रशासन के लिए कलंक है। हम इतने बदहाल तो नहीं हुए हैं कि अपने मृतकों को सम्मान के साथ आखिरी विदा न दे सकें। यह हमारी मानवीय गरिमा का सवाल है।

संकट की कसौटी पर नाकामी का नेतृत्व

क्षमा शर्मा

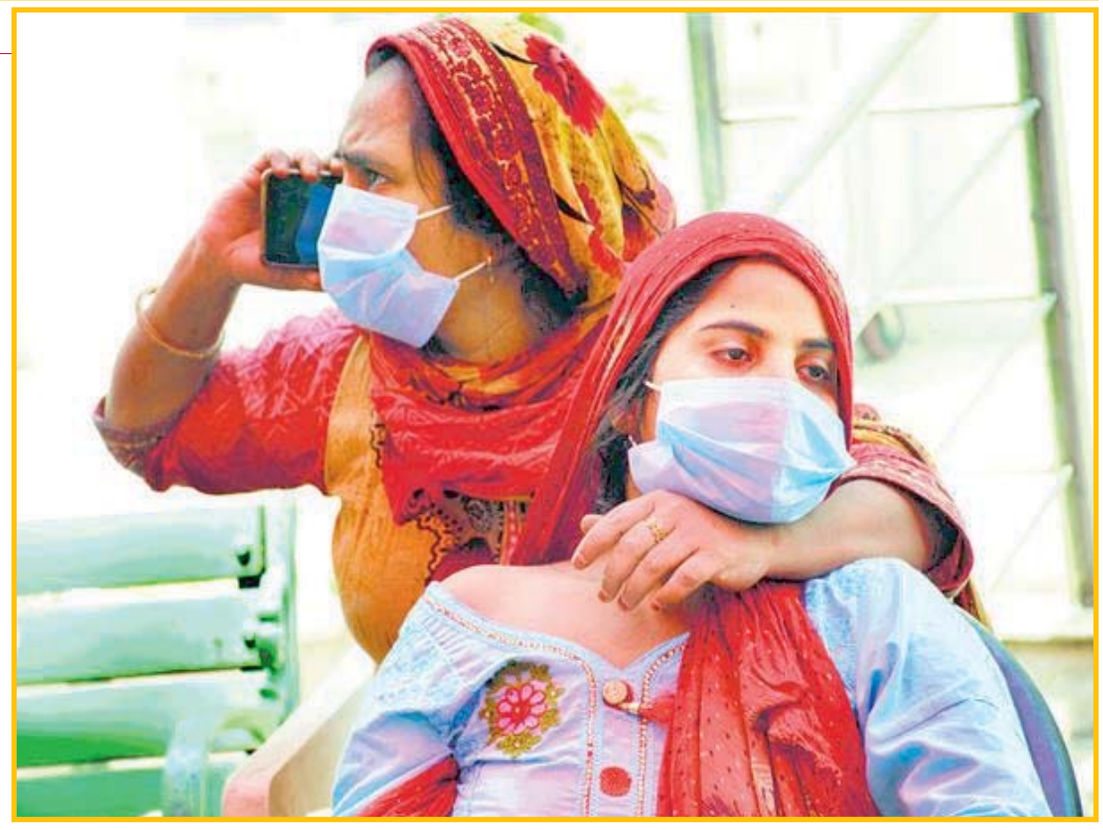

पिछले चुनावों में जिस नेता को आपने वोट दिया था, चुनाव जिताया था, सत्ता के सुख भोगने के मौके दिए थे, इन दिनों वह श्रीमान जी कहां हैं। वे जो हाथ जोड़े, दरवाजे-दरवाजे आए थे, किसी वृद्धा के पांव छुए थे, किसी बच्चे को गोद में लेकर दुलारा था, कहीं सड़क, कहीं पानी, कहीं अस्पताल, कहीं स्कूल, कहीं बेटी का विवाह तो कहीं बुजुर्गों की मदद जैसे वायदे किए थे, वे वादे तो पूरे नहीं ही हुए होंगे, क्योंकि चुनावी वादे परिणाम आते ही हवा में उड़ जाते हैं। जो पूरे हुए होंगे, वे किस भाई-भतीजा, पत्नी, ससुराल की भेंट चढ़े होंगे, कौन जाने। क्या आम आदमी एक वोट भर है कि वोट मांगते वक्त उसे ईश्वर बताया जाए और वोट मिलते ही इसलिए भुला दिया जाए कि अगले पांच साल बाद ही तो आना है इसके सामने । तब की तब देखी जाएगी। सुख में सुमिरन सब करें, दुख में करे न कोय वाला हिसाब चारों ओर दिख रहा है। कहते तो ये हैं कि सुख के समय चाहे अकेले-अकेले रह लें, मगर दुख के समय जरूर इकट्ठे हों, जिससे कि दुख साझा किया जा सके, मिलकर उसका भार उठाया जा सके। लेकिन इस महामारी के वक्त जब न अपने परिजन आसपास हैं, हैं भी तो बीमारी का डर और डर इतना ज्यादा है कि बाहर निकलना तो दूर, फोन पर बात करने से भी कतरा रहे हैं। ऐसे में वे नेता जो इस देश का मालिक खुद को समझते हैं, उनका कुछ अता-पता नहीं है। वोटों के प्रतिशत और संख्या गिनने वालों ने लोगों को अकेला छोड़ दिया है। क्या इतने अकेले हम पहले कभी थे। जिन नेताओं ने स्वर्ग के सपने दिखाए थे, उन्होंने नर्क की ओर धकेल दिया है। इन नेताओं की सारी आवाजें कहां खो गईं। लोगों के भले के लिए रात-दिन दुबले हुए जाते थे। जैसे ही देश की जनता सचमुच की आफत में आई, ये लापता हो गए। बस वीडियो जारी कर-करके बयानवीर बने हुए हैं, जैसे कि इनके बयानों से लोगों को अस्पताल में बेड मिल सकता है। आक्सीजन मिल सकती है। दवाएं कालेबाजार में नहीं, सही दामों पर प्राप्त की जा सकती हैं। एक वीडियो जारी किया और घर में सुरक्षित हो गए। क्योंकि अगर बीमार पड़े भी तो बड़े-बड़े अस्पतालों में हर सुविधा से सुसज्जित बिस्तर तैयार मिलेंगे। आखिर जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी है, उन्हें आम लोगों से पहले तो सारी सुविधाएं देनी ही पड़ेंगी, वरना बताइए देश कैसे बचेगा। यही नहीं जब देश इतनी मुसीबत में है, उन दिनों भी राजनीतिक दलों को चुनाव जीतने की पड़ी है। वाक ् युद्ध में किसने किसको पछाड़ा, इस बात के लिए एक-दूसरे की पीठ थपथपाई जा रही है। चुनावी रैलियों में लाखों की भीड़ इकट्ठी की गई, फिर उसे अपना समर्थक बताकर अपना ही गुणगान किया गया, पीठ थपथपाई गई और आज हालत यह है कि उन जगहों पर भारी संख्या में लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। जिन लोगों को इकट्ठा किया, नारे लगवाए, रोड शो में शामिल किया, अब जब उनकी जान पर बन आएगी तो कौन-सा नेता उन्हें बचाने जाएगा। शायद कोई नहीं। इतनी नृशंसता की उम्मीद क्या आपने अपने नेताओं से की थी। लोग कराह रहे हैं, तड़प रहे हैं और नेता आज भी एक-दूसरे को परास्त करने की होड़ में लगे हैं। क्या ये सब नेता इस मुश्किल वक्त में इकट्ठे नहीं हो सकते थे। लोगों की मुसीबतों पर जबानी जमा-खर्च करने के मुकाबले वैसी ही हाड़-तोड़ मेहनत नहीं कर सकते थे जो चुनाव जीतने के वक्त करते हैं। और यदि वे ऐसा नहीं कर सकते तो हमारे संसाधनों पर पलने वाले ये नेता हमें क्यों चाहिए। देश को लूटकर जनसेवक बनने का इनका नकाब उतारकर फेंक देना चाहिए। हद तो यह है कि इस आफत में जहां लोग हर तरह की सुविधा और सहायता के अभाव में दम तोड़ रहे हैं, वहां पक्ष-विपक्ष के नेता कभी किसानों के नाम पर, कभी मजदूरों के नाम पर, कभी किसी नेता के नाम पर लोगों को भड़काने में लगे हैं। हाल ही में कांग्रेस के एक बड़े नेता ने कहा कि लोग सड़क पर उतरकर विद्रोह कर दें और लोगों को मूर्ख बनाने वाली सरकार को उखाड़कर फेंक दें। लोग सड़क पर उतरें और अपने घर तक कोरोना ले जाएं, फिर अपनी और परिवार के साथ जान गंवा दें। और तुम सिर्फ किसी पांच-सात सितारा होटल में बैठकर लोगों को सड़क पर उतारने का आह्वान करते रहो। मगर क्या कहें कि शर्म इनको नहीं आती। लोग अपने नेता और विधायक को भगवान मानते हैं, मगर इन भगवानों ने लोगों को सबसे ज्यादा धोखा दिया है। लोग जाएं तो जाएं कहां। हर तरह के शिकंजे में फंसे हैं। किस तरह अपने को तरह-तरह के माफिया से बचाएं। आपदा में अवसर तलाश कर कभी नकली दवा तो कभी खाली आक्सीजन सिलेंडर तो कभी श्मशान में एक दाह संस्कार करने के लिए पचीस-तीस हजार मांगने वालों यानी कि हर तरह से लूटने वालों से बचें। क्या इसी महान संस्कृति पर हम इतराते हैं। इसी को विश्व गुरु बनना कहते हैं। अरे मत बनो विश्व गुरु, एक परेशान को जरा-सा सहारा ही दे दीजिए, क्या पता उसकी जान बच जाए। दवा की तलाश में भटकते किसी परेशान को सही पता ही बता दीजिए कि कहां उसे सही दवा मिल जाएगी, न नकली मिलेगी, न खाली हाथ लौटना पड़ेगा। सारी स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं, मगर नेता कह रहे हैं कि सब ठीक है। इस तरह की झूठी आशा देकर लोगों को भुलावे में रखकर क्या सचमुच उनकी मदद की जा सकती है। जिस भगवान के दरवाजे रात-दिन नाक रगड़ते हो, वह भी तुम्हें माफ नहीं करेगा। कहते हैं कि कोई भी दुख मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं है, मगर मनुष्य साहस भी तो तभी लाएगा, जब उसे कोई हौसला देने वाला होगा। ऐसा लगता है कि लोगों को कोरोना से लड़ने के लिए अकेला छोड़ दिया गया है। बिना किसी परमाणु हमले के कोरोना बम ने दुनिया को तहस-नहस कर दिया है। क्या अब भी लोग सबक लेंगे और सोचेंगे कि लोकतंत्र की चाबी जिनको सौंपी है, क्या वे इसके काबिल हैं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

प्रयास

बचाव का एक बहुत बड़ा माध्यम है, कोरोना का टीका। केंद्र सरकार और सारी राज्य सरकारें मिलकर ये निरंतर प्रयास कर रही हैं कि ज्यादा से ज्यादा देशवासियों को तेज़ी से टीका लग पाए। देशभर में अभी तक करीब 18 करोड़ वैक्सीन डोज दी जा चुकी हैः -- पीएम मोदी

ज्ञान गंगा

भक्ति

जग्गी वासुदेव/ भारतीय संस्कृति में यह बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि आप किसी मंदिर में जाएं। हर कोई, वो चाहे जहां हो, एक पल में, किसी भी चीज को भगवान बना सकता है। यह एक अद्भुत तकनीक है, निर्माण करने की एक जबरदस्त कुशलता है। किसी पत्थर के टुकड़े को भी भगवान बनाया जा सकता है और आप देखेंगे कि कल सुबह हजारों लोग उसकी पूजा कर रहे होंगे। एक पत्थर के टुकड़े के सामने भी झुक जाने की इनकी इच्छा गजब की है। किसी के सामने झुक जाने के लिए तैयार रहना इनके लिए इतना आसान है, पर साथ ही यह एक शक्तिशाली साधन रहा है। कोई पेड़, फूल, पत्थर, लकड़ी-कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या है-लोग उसके आगे परम श्रद्धा से झुकने के लिए तैयार रहते हैं। इस सरल सी तैयारी ने भारत में भौतिकता के पार जाने वाले सबसे ज्यादा लोग तैयार किए। यही कारण है कि इस जमीन और इस संस्कृति को अनगिनत आत्मज्ञानी मिले। सारी दुनिया में, कहीं भी, अगर लोगों को झुकना है तो उनके आगे एक खास तरह का आकार होना चाहिए, नहीं तो वे नहीं झुक सकते। पर अगर आप एक पत्थर या छड़ी, एक कीड़े या चिड़िया के सामने झुकने को तैयार हैं तो उनमें से कोई भी आपके लिए एक रास्ता बन सकता है, और आपके लिए कोई दरवाजा खोल सकता है-फिर आपके लिए संभावनाओं का कोई अंत नहीं है। इस रु झान की वजह से लोगों ने हर कहीं करोड़ों संभावनाएं खोल दीं। भक्ति का मतलब है एक खास निष्ठा-यानी आपका पूरा ध्यान हमेशा एक ही चीज में है। अगर आप लगातार एक ही चीज पर पूरा ध्यान दे रहे हैं तो आप ऐसे हो जाते हैं कि आपके विचार, आपकी भावनाएं और सब कुछ बस उस एक ही दिशा में लग जाते हैं, और तब 'कृपा' स्वाभाविक रूप से होगी क्योंकि आप ग्रहणशील बन जाते हैं। आप किस चीज या किस व्यक्ति के भक्त हैं, यह कोई मुद्दा नहीं है। अगर आप यह सोचते हैं, 'नहीं! मैं एक भक्त होना चाहता हूं, पर मुझे शंका है कि भगवान हैं या नहीं'-तो यह एक सोचने वाले मन की दशा है। आपको यह जानना जरूरी है कि भगवान नहीं हैं, पर जहां कोई भक्त है, वहां भगवान हैं। भक्ति की शक्ति ऐसी है कि वो सृष्टिकर्ता को भी बना सकती है। हम जिसे भक्ति कहते हैं, उसकी गहराई ऐसी है कि चाहे भगवान का अस्तित्व न हो, तो भी भक्ति भगवान का अस्तित्व बना सकती है।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

असम में इक्कीस साबित हुए बिस्वा

अरुण नैथानी

असम में सत्ता विरोधी लहर को टाल कर और कांग्रेस गठबंधन को हराकर बड़ी जीत दर्ज करने वाली भाजपा को इस मुकाम तक पहुंचाने वाले सूत्रधार हिम्मत वाले हिमंत बिस्वा सरमा ही थे। हालांकि, पिछले चुनाव में उन्होंने पार्टी की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन उन्हें पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा के विस्तार का जिम्मा दे दिया गया, जिसकी वजह थी कि उन्हें पूर्वोत्तर के राज्यों की गहरी समझ है। उन्होंने कई अन्य राज्य भाजपा की झोली में डाले भी हैं। मगर इस बार दुविधा इस बात की थी कि क्या सर्बानंद सोनोवाल उनके लिये गद्दी छोड़ने के लिये सहर्ष तैयार होंगे या पार्टी में असंतोष के सुर उभरेंगे। कई दिन की माथापच्ची के बाद आखिरकार केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप और विधायकों की सहमति के बाद हिमंत बिस्वा सरमा की असम में ताजपोशी हो ही गई। अब कयास लगाये जा रहे हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल को केंद्र सरकार में शामिल किया जा सकता है। दरअसल, वर्ष 2016 में असम के मुख्यमंत्री बनने से पहले सर्बानंद सोनोवाल मोदी सरकार में खेल मंत्री थे। पूर्वोत्तर में भाजपा के खेवनहार हिमंत बिस्वा की लोकप्रियता का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि वे असम की जालुकबारी विधानसभा सीट से लगातार पांच बार जीत चुके हैं। कभी कांग्रेस के विश्वासपात्र नेताओं में गिने जाने वाले हिमंत बिस्वा ने कालांतर पार्टी नेतृत्व से खटपट हो जाने के बाद 2014 में पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने वर्ष 2015 में भाजपा ज्वाइन कर ली थी। उन्होंने राज्य में कई बड़ी जिम्मदारी निभायी। वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव व वर्तमान जीत के अलावा कोरोना के हालात संभालने में उन्होंने निर्णायक भूमिका निभाई। हिमंत बिस्वा सरमा का प्रभावी चुनाव अभियान भाजपा की जीत की बड़ी वजह बताया जाता है। जालुकबारी विधानसभा सीट से लगातार पांचवीं बार और एक लाख से अधिक वोटों से जीतने वाले बिस्वा को पूर्वोत्तर में कमल खिलाने का श्रेय दिया जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद उनके राजनीतिक कौशल और पूर्वोत्तर में पकड़ के चलते उन्हें पार्टी ने नॉर्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस का अध्यक्ष बनाया था। फिर उन्होंने पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भाजपा को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। बहरहाल, अब ऐतिहासिक जीत के बाद राज्य के मुख्यमंत्री को लेकर लगाये जा रहे कयासों के बाद भाजपा ने गुत्थी सुलझा ली है। हालांकि, इस बार पार्टी ने चुनाव को गुटबाजी से बचाने के लिये मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया था। छात्र राजनीति से आये हिमंत बिस्वा सरमा ने कुछ समय हाईकोर्ट में वकालत भी की थी। उनके राजनीतिक जीवन की असली शुरुआत वर्ष 2001 में हुई जब उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर जालुकबारी से पहली बार विधानसभा का चुनाव जीता। सरमा के रणनीतिक कौशल की कायल कांग्रेस पार्टी भी रही है, लेकिन राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के टकराव के चलते उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी। एक फरवरी, 1969 को असम के जोरहाट में साहित्यकार कैलाशनाथ सरमा के घर जन्मे हिमंत बिस्वा सरमा को सामाजिक सक्रियता वाला परिवेश मिला। उनकी मां भी सामाजिक-साहित्यिक संस्थाओं में सक्रिय रही हैं। कामरूप के एक स्कूल से पढ़ाई करने वाले सरमा ने बाद में कॉटन कॉलेज गुवाहाटी में आगे की पढ़ाई की। राजनीतिक विज्ञान उनका प्रिय विषय था, जिसमें उन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। कानून की पढ़ाई भी उन्होंने की। कालांतर राजनीति में सक्रिय रहते हुए पीएचडी की डिग्री भी हासिल कर ली। दरअसल राजनीति के संस्कार उनमें छात्र जीवन से ही थे। कॉटन कालेज में पढ़ाई के दौरान वे छात्र संघ के महासचिव चुने गये। कहा जाता है कि भले ही उनकी राजनीतिक पढ़ाई असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के संरक्षण में हुई, लेकिन राजनीति में उन्हें लाने का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया को दिया जाता है। पहली बार वे 1996 में विधानसभा चुनाव लड़े लेकिन असम आंदोलन के नेता भुगु फुकन से चुनाव हार गये। लेकिन वर्ष 2001 में उन्होंने अपनी हार का बदला ले लिया। बाद में वे गोगोई सरकार में मंत्री भी बने। उनकी गिनती पार्टी के बड़े नेताओं में होती थी। लेकिन अपने राजनीतिक गुरु तरुण गोगोई से मतभेदों के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी। साल 2014 में कांग्रेस पार्टी का साथ छोड़ने के बाद उन्होंने तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के आवास पर बीजेपी का हाथ थाम लिया। साल 2016 में असम में चुनाव होने वाले थे, तो उन्हें पार्टी का संयोजक बनाकर मैदान में उतारा गया। बीजेपी ने चुनाव जीत लिया लेकिन हिमंत सीएम नहीं बने। तब केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता सर्वानंद सोनोवाल को मुख्यमंत्री बनाया गया। लगातार चौथी बार जालुकबरी से जीतने वाले सरमा इस सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। साल 2016 में असम में पहली बार कमल खिलाने के बाद इस बार भी हिमंत के ऊपर ही सत्ता में वापसी की जिम्मेदारी थी। प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए उन्होंने जनहित में कई अच्छे काम किए थे। माना जाता है कि यह हिमंत बिस्वा सरमा का ही जादू है कि राज्य के लोगों ने लगातार दूसरी बार बीजेपी को सत्ता सौंप दी। ऐसे में मुख्यमंत्री पद पर उनकी दावेदारी भी काफी मजबूत हुई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

RBI ने रद्द किया इस बैंक का लाइसेंस, क्या ग्राहकों को वापस मिल जाएंगे उनके पैसे?

बिजनेस डेस्क। भारतीय रिजर्व बैंक (**RBI**) ने यूनाइटेड को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। पश्चिम बंगाल के बगनान में मौजूद इस बैंक की खराब वित्तीय हालत को देखते हुए **RBI** ने यह कदम उठाया है। **RBI** का कहना है कि बैंक के पास पर्याप्त लिक्विडिटी नहीं है और ना ही भविष्यु में उसकी कमाई की कोई उम्मीद है, इसी लिए यूनाइटेड को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का लाइसेंस कैंसल किया गया है। आरबीआई ने कहा है कि 13 मई, 2021 के बिजनेस ऑवर खत्म होने के बाद यह बैंक अब किसी भी तरह का बैंकिंग बिजनेस नहीं कर सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने साफ-साफ कहा है कि यूनाइटेड को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा जमा किए गए दस्तावेज के मुताबिक सभी डिपोजिटर्स को डिपोजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (**DICGC**) से उनकी जमा राशि वापस मिल जाएगी। जानकारी के लिए बता दें कि जमाकर्ता को **DICGC Act,** 1961 के प्रावधानों के मुताबिक **DICGC** से पांच लाख रुपए तक की राशि डिपोजिट इंश्योरेंस क्लेम के तहत मिल सकेगी।

कू ऐप ने लॉन्च किया नया सकारात्मक लोगो

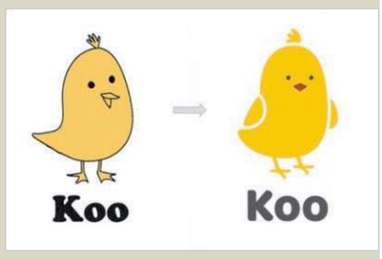

बेंगलरू। भारत के घरेलू सोशल मीडिया ऐप-कू ने गुरूवार को अपने नए लोगो का अनावरण किया। नए लोगो में भी एक पीली चिड़िया ही है मगर एक नए रूप में। इस नई पहचान का अनावरण आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर ने अपने 65वें जन्मदिन के शुभ अवसर पर किया। कू कई भारतीय भाषाओं में लोगों को स्वतंत्र अभिव्यक्ति में सक्षम बनाता है। भारत का 90 फीसदी जन समूह जो एक क्षेत्रीय भारतीय भाषा में स्वयं को अभिव्यक्त करना पसंद करता है, वह खुद को कू पर सहजता से व्यक्त कर सकता है। इस ऐप को मार्च 2020 में लॉन्च किया गया था और तब से अब तक यह अपने ऐप प्लेटफॉर्म पर 60 लाख से अधिक उपयोगकर्ता आकर्षित कर चुका है। श्री श्री रवि शंकर ने कहा, सामाजिक संपर्क और सूचना का प्रवाह सभ्य समाज के संकेत हैं। कू ऐप देश और दुनिया भर में लाखों लोगों को जोड़ रही है। आज मैं कू ऐप के नए लोगो को लॉन्च करके खुश हूँ। इतने कम समय में इस तरह की शानदार सोशल मीडिया ऐप को बनाने के लिए अप्रमेय और उनकी टीम को मेरी ओर से बधाई। कू के सह-संस्थापक, अप्रमेय राधाकृष्ण ने कहा, हम अपनी नई पहचान को सबके सामने लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह नया रूप है और हमारी नन्ही पीली चिड़िया के बालपन से किशोरावस्था में बढ़ने का संकेत है। यह चिड़िया सकारात्मकता से भरी हुई है और लोगों को जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में सबसे सकारात्मक तरह से वार्ता और चर्चा करने के लिए प्रेरित करेगी। यह नन्हा पक्षी उड़ने के लिए तैयार है। हम गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के आभारी हैं कि उन्होंने अपने 65 वें जन्मदिन के शुभ दिन पर कू के नए लोगो का उद्घाटन किया। कू के सह-संस्थापक, मयंक बिदावतका ने कहा, उपयोगकर्ता वास्तव में हमारी नई पहचान को पसंद कर रहे हैं। यह एक प्यारी पीली चिड़िया है जो हमारे प्लेटफॉर्म के मुख्य मूल्य - सकारात्मकता का प्रतीक है। हमने कू को बनाया ताकि लोग विभिन्न विषयों पर चर्चा कर सकें और एक दूसरे को आगे बढ़ने में मदद कर सकें। कोई भी चीज जो लोगों के जीवन को बेहतर बना सके, उससे लोग जुड़ना पसंद करते हैं। हमारी नई चिड़िया उस सकारात्मकता का प्रतीक है जो यह मंच उनके जीवन में लाता है। लाखों उपयोगकर्ता एक दूसरे से जुड़ने और उस संगति में आराम की अनुभूति पाने के लिए कू का उपयोग करते हैं। यह छोटी पीली चिड़िया अब एक अरब भारतीयों की दूत बनने के लिए तैयार है!

जापान, दक्षिण कोरिया और मॉरीशस निर्यात होगा यूपी और बिहार का आम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत दुनिया में आम का सबसे उत्पादक देश है, लेकिन देश से आम की कुछ ही किस्मों का निर्यात किया जाता है। अब इसमें विविधता लाने की तैयारी है। उत्तरी राज्यों में होने वाली आम की किस्मों को भी निर्यात किया जाएगा। साथ ही अमेरिका को भी आम का निर्यात बहाल करने की योजना है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के चेयरमैन एम अंगामुत्थू ने कहा कि हम लंगड़ा, दशहरी, हिमसागर और जरदालू जैसी किस्मों के निर्यात की संभावनाएं तलाश रहे हैं। अभी हमारे निर्यात में अल्फोंसो और केसर का दबदबा है लेकिन आम की दूसरी किस्मों की भी भारी मांग है। दुनियाभर में भारतीय मूल के लोग और दूसरे लोग भी इनकी मांग कर रहे हैं। भारत से अब तक यूएई, ईयू और नेपाल को आम की निर्यात होता रहा है लेकिन अब दूसरे देशों को भी आम का निर्यात करने की तैयारी है। इनमें जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस शामिल हैं। भारत दुनिया में आम का सबसे बड़ा उत्पादक है लेकिन निर्यात के मामले में वह मेक्सिको और पाकिस्तान से भी पिछड़ा हुआ है, लेकिन भारत ने अब इन देशों को टक्कर देने की पूरी तैयारी कर ली है। पिछले वित्त वर्ष में आम का निर्यात उससे पिछले वर्ष की तुलना में कम रहा। 2019-20 में भारत से 5.6 करोड़ डॉलर का आम निर्यात हुआ था जबकि पिछले साल अप्रैल से फरवरी के बीच करीब 2.83 करोड़ डॉलर का आम निर्यात किया गया। इसकी एक वजह लॉकडाउन भी है जो आम के पीक सीजन के साथ लगा था। इस साल एपीडा ने उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के आमों के निर्यात पर जोर लगा रखा है। इसके लिए वाराणसी और सहारनपुर में कई ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए गए हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन किया जा सके।

एल एंड टी को चेन्नई मेट्रो के लिए 2,500-5,000 करोड़ रुपये का अनुबंध मिला

मुंबई। लार्सन एंड टुब्रो की निर्माण इकाई को भारत में अपने भारी नागरिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 2,500-5,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। इसने चेन्नई मेट्रो रेल कॉपोरेशन लिमिटेड (सीएमआरएल) से केलीज स्टेशन से तारामणि रोड जंक्शन स्टेशन तक लगभग 12 किमी ट्विन बोर सुरंगों के निर्माण का आदेश प्राप्त किया है। इसमें स्टेशन बॉक्स की डायाफ्राम दीवारों का निर्माण और चेतपेट मेट्रो, रोयापेट्टाह सरकारी अस्पताल, तिरुवन्मियूर मेट्रो स्टेशनों की प्रवेश और निकास संरचनाओं का निर्माण और इन स्टेशनों में लॉन्चिंग और पुनर्प्राप्ति शाफ्ट सहित ग्रीनवेज रोड मेट्रो स्टेशन की आंशिक डायाफ्राम दीवार का निर्माण भी शामिल है। यह भूमिगत मेट्रो रेल सुरंग पैकेज सीएमआरएल चरण- द मेट्रो रेल परियोजना के गलियारे 3 का एक हिस्सा है और परियोजना के विभिन्न हिस्सों में एक साथ काम करने वाली आठ सुरंग बोरिंग मशीनों का उपयोग करके लगभग 52 महीनों में इसका निर्माण किया जाना है। व्यवसाय ने चेन्नई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीएमआरएल) से पावर हाउस से पोरूर जंक्शन तक अन्य संबद्ध कार्यों सहित 9 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों के साथ लगभग 8 किमी एलिवेटेड वायडक्ट का निर्माण करने का एक और आदेश प्राप्त किया है।

मस्क के एक ट्वीट से 17 फीसदी तक गिरी Bitcoin की कीमत, निवेशकों को 365 अरब डॉलर का नुक्सान

(एजेंसी)।

एलन मस्क द्वारा किए गए एक ट्वीट के बाद बिटकॉइन की कीमत 17 फीसदी तक कम हो गई है। इस गिरावट में निवेशकों के 365 अरब डॉलर डूब गए। गुरुवार सुबह टेस्ला (**Tesla**) कंपनी ने जलवायु चिंताओं के कारण अपने वाहनों को खरीदने के लिए बिटकॉइन लेने से मना कर दिया था। सिर्फ एक ट्वीट से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी (**cryptocurrency**) की कीमत केवल दो घंटे के भीतर 54,819 डॉलर से घटकर 45,700 डॉलर हो गई है। 1 मार्च के बाद से यह इसकी अब तक की सबसे कम कीमत है।

एलन मस्क ने क्या किया था ट्वीट

मस्क ने अपने ट्वीट में लिखा कि हम बिटकॉइन माइनिंग और लेनदेन के लिए जीवाश्म ईंधन (**fossil fuels**) के तेजी से बढ़ते उपयोग को लेकर काफी चिंतित हैं। कोयले का किसी भी ईंधन के मुकाबले सबसे खराब उत्सर्जन है। आपको बता दें कि इस साल की शुरुआत में टेस्ला ने घोषणा की थी कि उसने 1.5 बिलियन डॉलर के बिटकॉइन खरीदे हैं और अपनी कारों को लेकर भी कंपनी अब इसे स्वीकार करेगी। यही वजह थी कि डिजिटल टोकन की कीमत काफी बढ़ गई थी। मस्क ने इसके अलावा यह भी कहा है कि टेस्ला किसी भी बिटकॉइन को नहीं बेचेगी और जैसे ही माइनिंग ज्यादा स्थायी ऊर्जा में बदल जाएगी, बिटकॉइन स्वीकार करना फिर से शुरू कर देगी।

जियोफोन ग्राहकों को अब बिना रिचार्ज के मुफ्त में मिलेंगे 300 मिनट

(एजेंसी)।

देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने कोविड महामारी के दौरान अपने आम प्रीपेड ग्राहकों को बिना रिचार्ज कराये महीने में 300 मिनट मुफ्त आउटगोइंग कॉल की सुविधा देने का ऐलान किया है जबकि इनकमिंग कॉल पहले की तरह निशुल्क जारी रहेगी। कंपनी ने आज यहां बताया कि उसने अपने उन जियोफोन ग्राहकों को 300 मिनट मुफ्त आउटगोइंग कॉलिंग की सुविधा देने का फैसला किया है जो लॉकडाउन या अन्य वजहों से रिचार्ज नही करा पा रहे हैं। बिना रिचार्ज किए जियोफोन ग्राहक अब 10 मिनट रोजाना अपने मोबाइल पर बात कर पाएंगे। 10 मिनट रोजाना के हिसाब से कंपनी प्रतिमाह 300 मिनट मुफ्त आउटगोइंग कॉलिंग की सुविधा देगी। इनकमिंग कॉल पहले की तरह ही मुफ्त रहेगी। कंपनी ने कहा कि यह सुविधा कोविड महामारी के दौरान जारी रहेगी। इससे करोड़ों जियो फोन उपभोक्ताओं को फायदा पहुंचेगा। रिलायंस जिओ का मानना है कि देश के अधिकतर राज्यों में लॉकडाउन लगा है और लोग घरों में कैद हैं। ऐसे में मोबाइल रिचार्ज कराना मुश्किल हो गया है। खासकर हाशिए पर रह रहे लोगों के लिए यह बेहद कठिन काम है। रिलायंस जियो ने जियोफोन इस वर्ग के ग्राहकों को इस दुविधा से निकालने के लिए ही यह पेशकश की है। कंपनी का कहना है कि महामारी के दौरान कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि समाज का वंचित वर्ग मोबाइल से कनेक्टेड रहे। कंपनी के बयान के अनुसार जो जियोफोन ग्राहक मोबाइल रिचार्ज कर सकते हैं उनके लिए भी रिलायंस जियो के पास एक विशेष प्लान है। जियोफोन के प्रत्येक रिचार्ज पर कंपनी उसी कीमत का एक अतिरिक्त प्लान मुफ्त देगी। मतलब अगर जियोफोन ग्राहक 75 रुपए का 28 दिनों वाली वैलिडिटी का प्लान रिचार्ज करता है तो उसे 75 रुपए वाला ही एक और प्लान मुफ्त में मिलेगा जिसे ग्राहक पहला रिचार्ज खत्म होने के बाद इस्तेमाल कर सकेंगे। रिलायंस फाउंडेशन लोगों को मोबाइल नेटवक से जोड़े रखने के लिए रिलायंस जियो के साथ मिलकर काम कर रहा है। रिलायंस जियो ने अपने बयान में कहा है कि कोरोना महामारी ने देश के सामने बहुत बड़ी चुनौती खड़ी की है और रिलायंस इस वक्त में प्रत्येक भारतीय के साथ कंधे से कधा मिला कर खड़ा है।

सत्यापन कार्यक्रम को फिर से लॉन्च कर सकता है ट्विटर : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर कथित तौर पर अगले सप्ताह से प्रोफाइल सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए पब्लिक एप्लिकेशन (सार्वजनिक आवेदन) को फिर से खोलने पर विचार कर रही है। शोधकर्ता जेन मंचम वोंग ने कई सूत्रों का हवाला देते हुए ट्विटर पर कहा कि सोशल नेटवर्क अगले सप्ताह से अपने लंबे समय से प्रतीक्षित नए सत्यापन कार्यक्रम को शुरू करने के लिए तैयार है।मई महीने के दौरान, वोंग ने इस बात के बारे में अधिक जानकारी साझा की कि सत्यापन अनुरोध फॉर्म कैसे काम करेगा और ब्लू बेज को प्राप्त करने के लिए किस प्रकार के अकाउंट्स पात्र होंगे। अमेरिकी राष्ट्रीय राजनीति और अन्य विषयों में विवादों के बाद, ट्विटर ने फैसला किया है कि वह सोशल नेटवर्क पर अन्य लोगों के लिए अलग-अलग सत्यापित यूजर्स को लेबल करेगा। ये कदम यह समझने के लिए उठाया जाएगा कि क्या संबंधित अकाउंट किसी सरकार, एक राजनीतिज्ञ, कंटेंट क्रिएटर या पत्रकार से संबंधित है या फिर किसी अन्य व्यक्तित्व से संबंध रखता है। 9 टू5 गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक केवल सरकारी अकाउंट्स का एक अलग लेबल होता है।रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर पूछेगा कि क्या आपका अकाउंट एक एक्टिविस्ट, एक कंपनी, मनोरंजन समूह, सरकारी अधिकारी, पत्रकार या पेशेवर खेल से संबंधित है।इसके बाद यूजर्स को अपनी आईडी को सोशल नेटवर्क के साथ साझा करना होगा। वोंग के अनुसार, ट्विटर के आगामी सत्यापन फॉर्म पर, योग्य अकाउंट्स के प्रकार एवं योग्यताएं उनके दिशानिदेशरें के साथ काफी हद तक सरेखित होती हैं। अगर ट्विटर अगले सप्ताह अपना नया सत्यापन कार्यक्रम शुरू करता है, तो कंपनी के लिए यह एक और कदम होगा कि वह सुधार जारी रखे और मंच पर और अधिक सुविधाएं लाए।हाल ही में सोशल नेटवर्क ने अपना स्पेस फंक्शन लॉन्च किया और प्लेटफॉर्म में क्रिएटर्स को कमाई करने में मदद करने के लिए टिप जार फीचर की घोषणा की है। ट्विटर एक सब्सक्रिप्शन टियर लॉन्च करने की भी योजना बना रहा है।

रॉयल इनफील्ड कर रही 4 धांसू बाइक लाने की तैयारी, कंपनी ने नहीं किया लॉन्च की तारीख का खुलासा

नई दिल्ली। महंगी बाइक बनाने वाली कंपनी रॉयल इनफील्ड भारतीय बाजार में कई नई मोटरसाइकल लाने की तैयारी कर रही है। इन बाइक्स में न्यू जेनेरेशन क्लासिक 350, रॉयल एनफील्ड 650, रॉयल एनफील्ड शॉटगन 650, रॉयल एनफील्ड हंटर 350 बाइक शा मिल है। कंपनी की न्यू जेनेरेशन क्लासिक 350 बाइक की टेस्टिंग कर रही है। कंपनी ने लॉन्च की तारीख का खुलासा नहीं किया है पर माना जा रहा है यह बाइक दिवाली से पहले भारतीय बाजार में दस्तक दे सकती है। बाइक में 349ष्ठ इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा। रॉयल एनफील्ड 650 बाइक के लिए भी टेस्टिंग शुरू कर दी है। यह एक मॉडर्न क्लासिक स्टाइल वर्जन है। बाइक में 648सीसी पैरलल ट्विन एयर कूल्ड इंजन दिया जाएगा जो 47.6पीएस और 52एनएम टॉर्क जेनेरेट करता है।रॉयल एनफील्ड शॉटगन 650 एक क्रूजर बाइक है। इस बाइक का नाम रॉयल इनफील्ड शाटगन हो सकता है। यह बाइक मॉडर्न स्टाइलिंग और स्पोर्टियर स्टांस के साथ आने वाली है। यह बाइक भी 649सीसी इंजन के साथ आने वाली है। रॉयल एनफील्ड हंटर 350 बाइक मॉडर्न क्लासिक स्पोर्टियर डिजाइन के साथ आने वाली है।कंपनी इस बाइक को पॉप्युलर 350सीसी सेगमेंट में लॉन्च करने वाली है। भारत में इस बाइक की टक्कर होंडा सीबी350 आरएस के साथ होगी।

भगोड़े नीरव मोदी पर 11 जून के बाद शुरू हो सकता है एक्शन, संपत्ति कुर्क करने का नोटिस जारी

(एजेंसी)।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में कथित धोखाधड़ी और धनशोधन के मामले में वांछित भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को यहां की एक विशेष अदालत ने सार्वजनिक नोटिस जारी कर पूछा है कि उसकी संपत्तियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) कानून के तहत जब्त क्यों नहीं किया जाए। विशेष न्यायाधीश वी.सी. बर्डे ने नीरव मोदी से 11 जून को अदालत के समक्ष पेश होने को भी कहा। अदालत ने कहा कि अगर आरोपी पेश नहीं होता तो उसके खिलाफ एफईओ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। विशेष अदालत ने दिसंबर 2019 में नीरव मोदी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर ऐसा किया गया था जो इस मामले में जांच कर रहा है। हालिया नोटिस के अनुसार, मैं, वी.सी. बर्डे, पीएमएलए 2002 और भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत विशेष न्यायाधीश, आपको यह कारण बताने के लिए नोटिस जारी करता हूं कि आवेदन (प्रवर्तन निदेशालय की याचिका) में उल्लेखित संपत्तियों को उक्त कानून के तहत जब्त क्यों नहीं कर लिया जाए। नीरव मोदी की पत्नी अमी, बहन पूर्वी और बहनोई मयंक मेहता को भी ऐसा ही नोटिस जारी किया गया। जांच एजेंसी का आरोप है कि नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी ने कुछ बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ कथित तौर पर 14,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

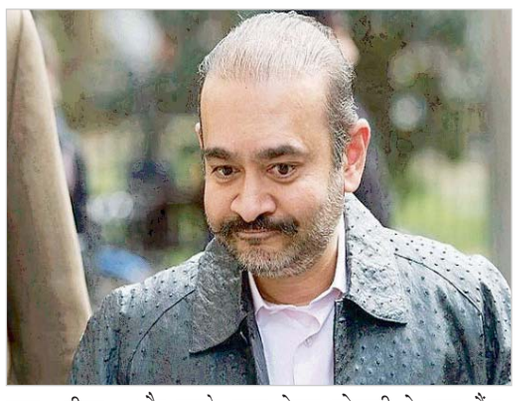

गोएयर ने 3,600 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए दाखिल किए शुरुआती दस्तावेज

(एजेंसी)।

बजट एयरलाइंस गोएयर ने 3,600 करोड़ रुपए का प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जारी करने के लिये बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज जमा करा दिये हैं। कंपनी ने अपने ब्रांड के नाम को बदलकर 'गो फर्स्ट' किया है। वाडिया समूह द्वारा प्रवर्तित यह एयरलाइन पिछले 15 साल से परिचालन में है।

आईपीओ से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल शुरुआती तौर पर कर्ज के भुगतान के लिये किया जायेगा। पास जमा किये गये मसौदा दस्तावेज के मुताबिक एयरलाइन शेयरों की बिक्री के जरिये 3,600 करोड़ रुपये तक जुटाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। कंपनी ने कहा है कि आईपीओ से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल उसके बकाये कर्ज का पूर्ण रूप से अथवा आंशिक तौर पर समय से पहले अथवा नियमित समय पर होने वाले भुगतान में किया जायेगा। इसके साथ ही विमानों के पट्टा किराया भुगतान और भविष्य के रखरखाव में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिये साख पत्रों को बदला जायेगा। इसके अलावा आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल ईंधन कंपनी इंडियन आयल कार्पोरेशन के बकाये का पूर्ण अथवा आंशिक तौर पर भुगतान करने के लिये भी किया जायेगा। कंपनी के अन्य सामान्य कार्यों में भी इसका इस्तेमाल होगा।

मार्च 2020 में समाप्त वित्त वर्ष में गोएयर को 1,270.74 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था जबकि उसकी कुल आय 7,258.01 करोड़ रुपए रही थी। एयरलाइन को बृहस्पतिवार को गोएयर से गोफर्स्ट के तौर पर नया ब्रांड नाम देने के बाद सीईओ कौशिक खोना ने कहा कि पिछले 15 साल के चुनौतीपूर्ण समय में एयरलाइन लगातार मजबूती के साथ खड़ी रही है।

पेट्रोल डीजल के दाम हर दिन तोड़ रहे रिकॉर्ड, फिर कीमतों में भारी उछाल

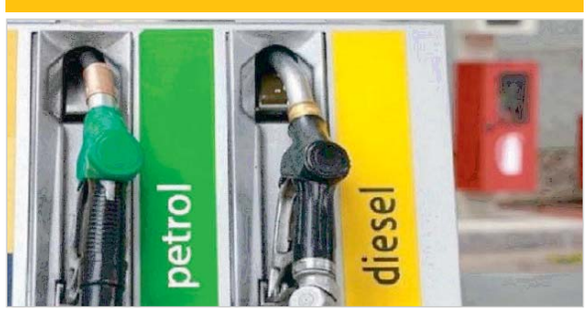

(एजेंसी)।

एक दिन के ठहराव के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में शुक्रवार को फिर बढ़ोतरी की गई। देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल के दाम 29 पैसे तक और डीजल के दाम 36 पैसे तक बढ़ाये गये। इस दिनों दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर हैं और रोज नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। दिल्ली में डीजल भी आज की वृद्धि के बाद 83 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुंच गया है जबकि मुंबई में यह पहली बार 90 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गया।

बाकी शहरों का ये है हाल

चेन्नई में पेट्रोल पहली बार 94 रुपये प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गया। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 29 पैसे बढ़कर 92.34 रुपये और और डीजल की कीमत 34 पैसे बढ़कर 82.95 रुपये प्रति लीटर पर हो गई। इस महीने दिल्ली में अब तक पेट्रोल 1.94 रुपये और डीजल 2.22 रुपये महंगा हो चुका है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 29 पैसे, 25 पैसे और 28 पैसे बढ़ी।

पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना होती है समीक्षा

एक लीटर पेट्रोल मुंबई में 98.65 रुपये, चेन्नई में 94.09 रुपये और कोलकाता में 92.44 रुपये का का बिका। डीजल की कीमत मुंबई में 36 पैसे बढ़कर 90.11 रुपये, चेन्नई में 32 पैसे बढ़कर 87.81 रुपये और कोलकाता में 34 पैसे बढ़कर 85.79 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

जेआईबीएस ने तनाव प्रबंधन और प्रदर्शन में वृद्धि पर वर्चुअल सत्र आयोजित किया

नई दिल्ली।

प्रभावी तनाव प्रबंधन में इस्तेमाल की जा सकने वाली तकनीकों के बारे में छात्रों को लैस करने के उद्देश्य से, जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (जेआईबीएस) ने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में 14 मई को तनाव प्रबंधन और प्रदर्शन में वृद्धि पर एक विशेष वर्चुअल सत्र का आयोजन किया। सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर (डॉ) संजीव पी साहनी ने की, जो जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (जेआईबीएस) में प्रधान निदेशक भी हैं। ऑनलाइन कार्यक्रम में कक्षा 11 वीं और 12 वीं के बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ साहनी ने विभिन्न विश्राम तकनीकों, समय-प्रबंधन कौशल और समूह उपचारों पर प्रकाश डाला जो छात्रों में प्रभावी तनाव प्रबंधन और प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि तनाव का पूर्ण उन्मूलन यथार्थवादी नहीं है, लेकिन विभिन्न उपकरण और तकनीक इसके नियमन और प्रबंधन में मदद कर सकते हैं। जब हम प्रतिदिन के अकादमिक और कई तरह के कार्य करते हैं तो हमें हमें शरीर के बैलेंस और स्थिरिता बनाए रखने की अत्यधिक जरूरत है। काम, विश्राम, फन के लिए समय निकालने और उसी समय चुनौतियों का सामना करने के लिए दबाव को सहने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ब्रीथिंग एक्सरसाइज, रिलेक्स करने की तकनीक, ध्यान, सोना का उचित शिड्यूल पर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि हम जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित न हो।जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज द्वारा उनके सामुदायिक आउटरीच पहल के एक भाग के रूप में आयोजित कार्यक्रमों की मेजबानी की श्रृंखला में एक और ऑनलाइन कार्यक्रम है। वैश्विक महामारी के कारण, जिसमें फीजिकल लर्निंग एक्सचेंज प्रतिबंधित है, जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज (खकइर) ने मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक भलाई और तनाव प्रबंधन से संबंधित विभिन्न व्यवहार विज्ञान विषयों पर 300 से अधिक ऑनलाइन सत्र आयोजित किए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोहली की फिटनेस उनके शानदार प्रदर्शन का राज : युसूफ

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद युसूफ ने भारतीय कप्तान विराट कोहली की सराहना करते हुए कहा है कि कोहली की फिटनेस और ट्रेनिंग उनके शानदार प्रदर्शन का राज है। युसूफ ने यू-ट्यूब के शो क्रिकास्ट में कहा, मैंने कोहली को अभ्यास करते नहीं देखा है लेकिन उनके ट्रेनिंग के वीडियो ट्विटर पर देखे हैं। आज के जमाने में कोई मुझसे पूछे कि मॉर्डन क्रिकेट क्या है तो मैं कहूंगा यह ट्रेनिंग है। उन्होंने कहा, आज के खिलाड़ी फिट और तेज हैं, जैसे कोहली है। यही उनके शानदार प्रदर्शन का राज है।युसूफ ने कहा, कोहली के नाम वनडे और टेस्ट मिलाकर 70 शतक हैं। वनडे में उन्होंने 12000 रन बनाए हैं और टेस्ट में भी 10000 रन बनाने के करीब है। टी 20 में भी उनका प्रदर्शन बेहतर है। उन्होंने कहा, आज के जमाने में वह नंबर-1 बल्लेबाज हैं। मैंने पहले भी कहा है कि पिछले जमानों के क्रिकेटरों की तुलना करना गलत है। कोहली का प्रदर्शन अविश्वनीय है। युसूफ ने पाकिस्तान के लिए 288 वनडे में 9720 रन और 90 टेस्ट मैचों में 7530 रन बनाए हैं।

10 साल पुराने विवाद को लेकर इयान बेल ने तोड़ी अपनी चुप्पी, बोले- गलती मेरी थी, माही बेकसूर थे

(एजेंसी)

साल 2011 में इंग्लैंड और भारत के बीच नॉटिंघम में खेले गए तीसरे मैच के दौरान इयान बेल के रन आउट को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था. इंग्लैंड के खिलाफ मैच में टीम इंडिया की कप्तानी महेंद्र सिंह धोनी कर रहे थे. उस समय बेल को अजीब तरीके से रन आउट होने के बाद वापस मैदान पर बुलाया गया था. 10 साल बाद उस घटना को लेकर इयान बेल ने बड़ा बयान दिया है. एक यूट्यूब चैनल पर इयान बेल ने कहा- यह मेरी गलती थी और मुझे पवेलियन की तरफ नहीं जाना चाहिए था. निश्चित रूप से धोनी को इसके लिए खेल भावना के लिए दशक का अवॉर्ड जैसा सम्मान दिया गया था. लेकिन गलती मेरी थी और मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था.

क्या था पूरा मामला

जुलाई 2011 में भारत और इंग्लैंड के बीच नॉटिंघम में खेले गए तीसरे मैच के दौरान यान बेल के रन आउट को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था. तीसरे दिन के खेल के दौरान देर बेल क्रीज पर थे. टी ब्रेक से पहले आखिरी गेंद पर मोर्गन ने शॉट खेला. मोर्गन के साथ बल्लेबाजी कर रहे बेल इसे चौका समझ बैठे. गलतफहमी में इयान बेल अपनी क्रीज छोड़कर मोर्गन से बात करने लगे. लेकिन गेंद बाउंड्री लाइन से पहले ही प्रवीण कुमार ने पकड़कर अभिनव मुकुंद की तरफ थ्रो कर दी.

मुकुंद ने गिल्लियां बिखेर दी. जिसके बाद टीम इंडिया ने थर्ड अंपायर से इयान बेल के रनआउट को लेकर अपील की. अंपायर ने इयान बेल को रनआउट दे दिया और दर्शकों ने इसे खेल भावना के विपरीत फैसला मानते हुए टीम इंडिया की हूटिंग शुरू कर दी. टी ब्रेक के दौरान इंग्लिश टीम के कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस और कोच एंडी फ्लावर भारतीय कप्तान धोनी से मिले और बेल के रन आउट मामले पर बातचीत की. इसके बाद धोनी ने खेल भावना दिखाते हुए इयान बेल को रन आउट करने की अपील वापस ली. टी ब्रेक समाप्त होने के बाद बेल दोबारा बल्लेबाजी करने मैदान पर लौटे. लेकिन बेल 22 रन बनाकर युवराज सिंह का शिकार बने और 159 रन पर पवेलियन लौट गए. आईसीसी के नियमों के मुताबिक इयान बेल क्रीज के बाहर थे और उन्हें थर्ड अंपायर ने रनआउट दिया था. बेल चौका जाने की गलतफहमी में थे, इसी वजह से वह क्रीज पर नहीं लौटे. धोनी के फैसले के कारण 10 साल बाद उन्हें दशक का स्पिरिट ऑफ क्रिकेट आफ द डिकेड अवार्ड से सम्मानित किया गया था.

नीरज सहित अन्य भारतीय भाला फेंक एथलीट मुलर ग्रां प्री में हिस्सा नहीं ले सकेंगे

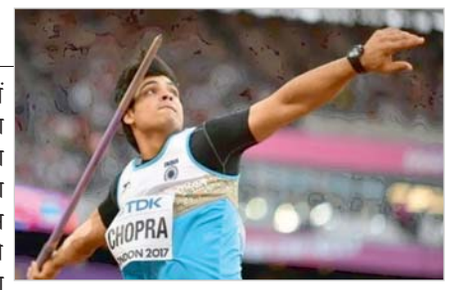

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जर्काता एशिया खेलों के चैंपियन नीरज चोपड़ा सहित अन्य भारतीय भाला फेंक एथलीट कोरोना वायरस के कारण इस महीने ग्रेट ब्रिटेन में होने वाले मुलर ग्रां प्री में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।एक एथलीट ने आईएएनएस से कहा, हम लोग ग्रेट ब्रिटेन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे क्योंकि भारत में कोरोना की दूसरी लहर के कारण यूरोपियन देश वीजा जारी नहीं कर रहे हैं। भाला फेंक एथलीटों को अप्रैल के अंतिम सप्ताह में तुर्की में ट्रेनिंग के लिए जाना था लेकिन भारतीयों के लिए 15 दिनों के क्वारंटीन नियम के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। ग्रेट ब्रिटेन में होने वाले इवेंट को 23 मई से शुरू होना है। बुधवार को नीरज ने कोरोना महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल नहीं हो पाने को लेकर चिंता जाहिर की थी। नीरज ने कहा था, महामारी के कारण हम 2020 में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सके थे। कोरोना के कारण इस साल भी हमें टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने का ज्यादा अवसर नहीं मिला। अंतरराष्ट्रीय दौरों की कमी से हमें नुकसान हो रहा है। गेट्सहेड मीट में भाला फेंक इवेंट पुरुष वर्ग के सात इवेंटों में से एक है। अन्य इवेंट में 200 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर और 3000 मीटर स्टीपलचेज तथा लंबी कूद इवेंट शामिल हैं। सभी भारतीय इस डायमंड लीग सीरीज में हिस्सा नहीं ले सकते हैं लेकिन नीरज अपने पिछले प्रदर्शन के आधार पर इसमें हिस्सा ले सकते थे। वह इस सीजन में भी मार्च में उनके द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड 88.07 मीटर के कारण इसमें हिस्सा ले सकते थे। लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर और मध्यम दूरी के धावक अविनाश साब्ले भी इसमें हिस्से ले सकते थे। साब्ले पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

ओलंपिक महिला हॉकी टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी स्पर्धा है : नेहा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी नेहा गोयल का कहना है कि संभावितों में टोक्यो ओलंपिक टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी स्पर्धा है।नेहा फिलहाल बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर में संभावितों के साथ ट्रेनिंग कर रही हैं। नेहा ने कहा, फाइनल टीम में जगह बनाने के लिए संभावितों के पास कई प्रतियोगिताएं हैं। मेरे ख्याल से टीम में भरोसा बढ़ाने में मुख्य कोच शुअर्ड मरिने की भूमिका अहम है। उन्होंने हर एक खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ाया है जिससे हाल ही में शीर्ष टीमों के खिलाफ हमारे प्रदर्शन को मदद मिली थी। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि यह ओलंपिक अलग है लेकिन ओलंपिक में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना हर खिलाड़ी का सपना होता है। जाहिर है कि मैं भी इसमें शामिल होना चाहती हूं और इसके लिए अपना 100 फीसदी दूंगी।

अपूर्वा धीरे-धीरे ट्रेनिंग कर रही हैं : कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक में शामिल होने वाली राइफल निशानेबाज अपूर्वी चंदेला के कोच राकेश मनपात का कहना है कि अपूर्वी कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बाद धीरे-धीरे ट्रेनिंग शुरू कर रही हैं।महिला 10 मीटर एयर राइफल इवेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली अपूर्वी दो महीने तक चलने वाले शिविर के लिए भारतीय टीम के साथ क्रोएशिया गई हैं। मनपात ने आईएएनएस से कहा, पिछले महीने अपूर्वी बीमार पड़ गई थीं। हालांकि उनकी कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने के कारण वह राष्ट्रीय टीम के साथ क्रोएशिया रवाना हुई। लेकिन हमने धीरे-धीरे ट्रेनिंग शुरू करने की रणनीति बनाई है। उन्होंने कहा, यह सप्ताह आसान होगा क्योंकि हम सभी लोगों को जागरेब में सात दिनों तक क्वारंटीन में रहना होगा। अगले सप्ताह से हम ट्रेनिंग करेंगे लेकिन ज्यादा जोर नहीं लगाएंगे। कोरोना पॉजिटिव आने के बाद अपूर्वी जयपुर में 15 दिनों तक होम क्वारंटीन में रही थीं। मनपात ने कहा कि अपूर्वी के सेहत में सुधार हो रहा है और वह सामान्य तरीके से इस महीने के अंत तक ट्रेनिंग कर पाएंगी।मनपात ने कहा, अपूर्वी ने गुरुवार को अपने कमरे में हल्की ट्रेनिंग की थी। उन्होंने 40 मिनट तक ट्रेनिंग की थी। मैं रोज उनसे पूछता हूं कि वह कैसा महसूस कर रही हैं।मनपात भी अप्रैल के दूसरे सप्ताह में कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे। उन्होंने कहा, अभी सब ठीक है और मैं फिट हूं तथा अच्छे ट्रेनिंग सीजन के लिए उत्सुक हूं।

संक्षिप्त समाचार

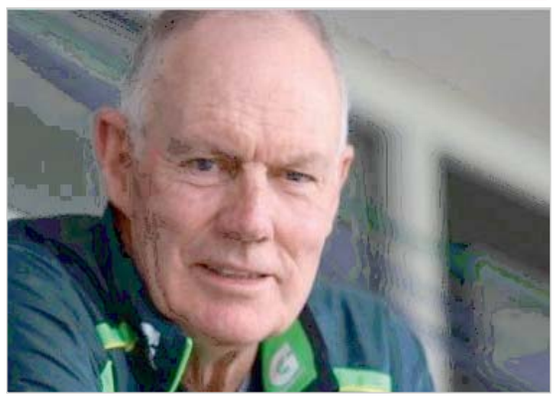

भविष्य में ज्यादा घरेलू टीमों को शामिल कर सकता है ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अगर अपने एक पूर्व कप्तान की सलाह को मान लेता है तो भविष्य में उसके प्रीमियर घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में अधिक टीमें देखने को मिल सकती है।मौजूदा वक्त में सिर्फ छह टीमें इसमें हिस्सा लेती है। भारत में रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे टूर्नामेंट जैसे घरेलू टूर्नामेंट में 38 टीमों से ज्यादा टीम खेलती हैं। ऑस्ट्रेलिया में कम टीमें खेलने से कई प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को खेलने का मौका नहीं मिल पाता है। टीम के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने कहा, हम बड़े राज्यों को युवाओं को ऐसे ही रखने नहीं दे सकते। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि इन्हें किसी स्टेज पर आकर इन खिलाड़ियों की जरूरत पड़ती है। मेरे ख्याल से यह खतरनाक है। अगर हम प्रारूप में परिवर्तन करना चाहते हैं तो हमें अभी से करना होगा। मेरे ख्याल से न्यू साउथ वेल्स के पास संभवतः दूसरी टीम हो सकती है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया के कुछ शीर्ष क्रिकेटर न्यू साउथ वेल्स से ही आते हैं। जोश हेजलवुड, पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन और सीन एबॉट यहीं से आते हैं। स्टीवन स्मिथ और डेविड वार्नर से जैसे शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी न्यू साउथ वेल्स से आते हैं। चैपल ने कहा कि हमें युवा प्रतिभा को बढ़ाने की जरूरत है।

ला लीगा के दौरान कुछ स्टेडियमों में प्रशंसकों को प्रवेश की अनुमति देगा स्पेन

मैड्रिड। ला लीगा के इस सीजन के आखिरी दो राउंड के दौरान प्रशंसकों को कुछ स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है।स्पेन के संस्कृति और खेल मंत्री, जोस मैनुअल रोड्रिग्ज उरीब्स ने बताया कि समर्थक मार्च 2020 की शुरूआत के बाद पहली बार स्टेडियम में खेलों में भाग ले सकेंगे। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लेकिन उन्हें सख्त प्रोटोकॉल का पालन करना होगा, जिसमें मास्क पहनना और मैदान में धूम्रपान और खाने पर प्रतिबंध लगाना शामिल है। ग्राउंड्स 30 प्रतिशत क्षमता पर काम कर सकेंगे, लेकिन केवल उन क्षेत्रों में जहां 14 दिनों के लिए प्रति 100,000 निवासियों पर 50 से कम कोविड -19 मामले सामने आए हैं। स्पेन का एकमात्र क्षेत्र जो वर्तमान में उस आवश्यकता को पूरा करता है, वह वेलेंसिया है, जिसका अर्थ है कि समर्थक वालेंसिया और ईबर के साथ-साथ विलारियल और सेविला के बीच रविवार के मैचों को देखने में सक्षम होंगे। दूसरे जगह के फैन्स को फिलहाल कोरोना मामलों के कम हने का इंतजार करना होगा।

न्यूजीलैंड पहली बार मिशेल, फिलिप्स को राष्ट्रीय अनुबंध प्रदान किया

ऑकलैंड (एजेंसी)।

कैंटरबरी के हरफनमौला खिलाड़ी डेरिल मिशेल और ऑकलैंड एसेस स्टार ग्लेन फिलिप्स को पहली बार न्यूजीलैंड क्रिकेट का राष्ट्रीय अनुबंध दिया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट प्लेयर्स एसोसिएशन के साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट के मास्टर समझौते के अनुसार 22 मई तक नामांकित खिलाड़ियों वाली 20 सदस्यीय मजबूत राष्ट्रीय अनुबंध सूची में दो खिलाड़ी ही नए हैं। । टेस्ट विशेषज्ञ एजाज पटेल को पिछले साल पहली बार सूची में आने के बाद आने वाले सत्र के लिए अनुबंध की पेशकश नहीं की गई है, जबकि बीजे वाटलिंग को सेवानिवृत्ति की पुष्टि के बाद हटा दिया गया है। औपचारिक अनुबंध प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, एनजेडसीपीए से परामर्श किया गया और प्रक्रिया की पुष्टि की गई, जैसा कि मास्टर समझौते में उल्लिखित है, का पालन किया गया था। छह प्रमुख संघों द्वारा 96 पुरुषों के घरेलू अनुबंध के पहले दौर के प्रस्तावों की पुष्टि 21 जून तक की जाएगी। खिलाड़ियों ने 2021-22 के लिए राष्ट्रीय अनुबंधों की पेशकश की- टॉम ब्लंडेल, ट्रेंट बाउल्ट, डेवोन कॉनवे, कॉलिन डी ग्रैंडहोमे, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गुप्टिल, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, रॉस टेलर, नील वैगनर, केन विलियमसन, विल यंग।

आलोचना के बाद पेन ने टीम इंडिया पर दिए बयान पर स्पष्टीकरण दिया

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन के गाबा में हार को लेकर टीम इंडिया पर दिए बयान के बाद इसको लेकर हो रही आलोचना के चलते इस मामले पर स्पष्टीकरण दिया है। ऑस्ट्रेलिया को पेन की कप्तानी में भारत के हाथों इस साल के शुरूआत में 1-2 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। पेन ने कहा है कि उन्होंने टीम की हार को लेकर कोई बहाना नहीं दिया था। पेन ने कहा, मेरे से कई चीजें पूछी गई थीं जिसमें से एक भारत के खिलाफ खेलने पर क्या चुनौती आती है, यह एक सवाल था। मैंने कहा कि भारत की ओर से खलल डालना एक चुनौती थी। उन्होंने कहा, मैच से पहले कई बात हो रही थी कि टीम ब्रिस्बेन नहीं जाना चाहती। मैच के दौरान भी भारतीय टीम बार-बार ग्लब्स बदल रही थी और फीजियो को बुला रही थी। मैंने कहा कि इन सब चीजों से खलल पड़ रहा था। कप्तान ने कहा कि उन्होंने यह भी कहा था कि भारत ने हमें पछाड़ दिया लेकिन इसे रिपोर्ट नहीं किया गया। पेन ने कहा, मैंने यह भी कहा था कि भारत ने हमें पराजित किया और वह सीरीज जीत के हकदार थे लेकिन इस बात को छोड़ दिया गया। भारतीय प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर मेरी आलोचना की। उनके अनुसार मैं हार को लेकर बहाना बना रहा हूं। पेन ने बुधवार को कहा था भारत ने 2020-21 टेस्ट सीरीज के दौरान गाबा में हुए टेस्ट मैच में खलल डाला था। उल्लेखनीय है कि सिडनी में तीसरे टेस्ट के बाद इस बात की चर्चा तेज हो गई थी कि भारतीय टीम सख्त क्वारंटीन नियमों के चलते चौथा टेस्ट खेलने के लिए गाबा नहीं जाना चाहती है। लेकिन टीम वहां गई और उसने चौथा टेस्ट जीत सीरीज को 2-1 से जीता था।

बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने सीपीएल 2021 के लिए होल्डर सहित आठ खिलाड़ियों को रिटेन किया

किंग्सटन। बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने कप्तान जैसन होल्डर सहित आठ खिलाड़ियों को कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के इस सीजन के लिए रिटेन किया है। टीम ने होल्डर के अलावा शाई होप, काइल मायेर्स, रेमोन रिएफर, जस्टिन ग्रीव्स, नीम यंग और जोशुआ बिशप को रिटेन किया है। सीपीएल 2021 सीजन का आयोजन इस साल 28 अगस्त से होगा। बारबाडोस के पास टीम पूरी करने के लिए आठ खिलाड़ी बाकी है और शेष खिलाड़ियों की घोषणा आने वाले सप्ताह में की जाएगी। बारबाडोस की मौजूदा टीम इस प्रकार है : जैसन होल्डर, शाई होप, काइल मायेर्स, रेयमोन रिएफर, जस्टिन ग्रीव्स, नीम यंग, जोशुआ बिशप, जॉनसन चार्ल्स और हेडन वाल्श जूनियर।

हालांद, सांची की बदौलत डार्टमंड ने जीता जर्मन कप खिताब

बर्लिन (एजेंसी)।

इर्लिंग हालांद और जाडोन सांचो द्वारा किए गए दो-दो गोलों की मदद से बोरूसिया डार्टमंड ने आरबी लिपजिग को 4-1 से हराते हुए जर्मन कप खिताब जीत लिया।

डार्टमंड के लिए मैच का पहला गोल सांचो ने पांचवें मिनट में किया। हालांद ने 28वें मिनट में गोल करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया और फिर पहले हाफ के इंजुरी टाइम में सांचो ने गोल करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। डानी ओल्मो ने 71वें मिनट में लिपजिग का खाता खोला लेकिन 87वें मिनट में गोल कर हालांद ने जीत की उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। डार्टमंड ने पांचवीं बार यह खिताब जीता है। कोच एडिन तेरजिक की देखरेख में खेल रही इस युवा टीम ने 2017 के बाद पहली बार कोई खिताब जीता है। तब से लेकर आज तक यह टीम 10 बार फाइनल में पहुंची थी लेकिन उसके साथ खिताब नहीं लग रहा था। दूसरी लिपजिग को 2019 की तरह इस साल भी फाइनल में हार मिली। उस साल इस क्लब को म्यूनिक के हाथों हार मिली थी। उसके कोच जूयिलन नागेल्समैन को अब बिना किसी खिताब के म्यूनिक जाना होगा, जहां वह नए सिरे से काम शुरू करेंगे। डार्टमंड के खिलाफ लिपजिग की यह आठवीं हार है।

शास्त्री नंबर-1 टेस्ट रैंकिंग पर कहा- यह लड़कों ने अर्जित किया है

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने लगातार पांचवें साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखने के लिए अपनी टीम की सराहना की है। शास्त्री ने ट्वीट किया, इस टीम ने नंबर-1 का ताज हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प और अटूट ध्यान दिखाया है। यह कुछ ऐसा है जो लड़कों ने अपनी मेहनत के दम पर अर्जित किया है। नियम बीच में बदल गए लेकिन टीम इंडिया रास्ते में आए हर बाधा को पार कर गई। मेरे लड़कों ने कठिन समय में कठिन क्रिकेट खेला। इस बिंदास टीम पर सुपर गर्व है। भारत 2017 के बाद से ही वार्षिक टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 रहा है। विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम 121 रेटिंग अंक पर है जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड 120 पर है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दोनों टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी। यह मैच साउथैम्पटन के एजेस बाउल मैदान पर 18 से 22 जून के बीच खेला जाना है। इंग्लैंड 109 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। वह ऑस्ट्रेलिया से आगे निकल गया है। ऑस्ट्रेलिया के पास वर्तमान में 108 अंक हैं। वेस्टइंडीज, जिसने बांग्लादेश को 2-0 से हराया और इस साल खेली गई सीरीज में श्रीलंका के साथ 0-0 की बराबरी की, 84 अंकों के साथ आठवें से छठे स्थान पर आ गया है, जो 2013 के बाद से उसकी सर्वश्रेष्ठ स्थिति है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजराइल-हमास के बीच संघर्ष तेज, नेतन्याहू बोले- हमास को चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

(एजेंसी)।

इजराइल ने कहा कि वह गाजा सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को भेज रहा है और उसने हमास शासित क्षेत्र में संभावित जमीनी आक्रमण के लिए 9,000 सैनिकों को तैयार रहने को कहा है। यह दिखाता है कि दोनों शत्रु युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, ''मैंने कहा था कि हमास से बहुत भारी कीमत वसूल करेंगे। हम यही कर रहे हैं और भारी बल के साथ यही करते रहेंगे।'' वहीं इसी बीच मिस्र के मध्यस्थ संघर्ष विराम प्रयासों के लिए इजराइल पहुंचे लेकिन इसमें प्रगति के कोई संकेत नहीं दिखे हैं। इजराइल में चौथी रात भी साम्प्रदायिक हिंसा होने के बाद लड़ाई और तेज हो गई। यहूदी और अरब समूहों में लॉड शहर में झड़पें हुई। पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के आदेश देने के बावजूद झड़पें हुईं। इस लड़ाई ने इजराइल में दशकों बाद भयावह यहूदी-अरब हिंसा को जन्म दिया है। लेबनान से देर रात रॉकेट दागे गए जिससे इजराइल की उत्तरी सीमा पर एक तीसरे पक्ष के शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है। हमास के एक वरिष्ठ निर्वासित नेता सालेह अरुरी ने लंदन स्थित एक चैनल को शुक्रवार को बताया कि उनके समूह ने पूर्ण संघर्ष विराम के लिए और बातचीत करने देने के लिए तीन घंटे के विराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उन्होंने कहा कि मिस्र, कतर और संयुक्त राष्ट्र संघर्ष विराम प्रयासों की अगुवाई कर रहे हैं। इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि गाजा में हवाई और जमीनी हमले हो रहे हैं। गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में विस्फोटों से आसमान में धुएं का गुबार बन गया। हमले इतने भयावह थे कि कई किलोमीटर दूर शहर में लोगों की चीखें सुनी गईं। बता दें कि यह लड़ाई सोमवार को शुरू हुई जब यरुशलम को बचाने का दावा करने वाले हमास ने लंबी दूरी के रॉकेट दागने शुरू किए। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कई हवाई हमले किए। तब से इजराइल ने गाजा में सैकड़ों ठिकानों को निशाना बनाया है। गाजा उग्रवादियों ने इजराइल में करीब 2,000 रॉकेट दागे जिससे देश के दक्षिण क्षेत्र में जनजीवन ठप हो गया। तेल अवीव शहर को निशाना बनाते हुए भी कई रॉकेट दागे गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमलों में करीब 100 फलस्तीनी मारे गए जिनमें 28 बच्चे और 15 महिलाएं शामिल हैं जबकि 621 लोग घायल हो गए।

हमास और इस्लामिक जिहाद उग्रवादी समूह ने 20 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। हालांकि इजराइल ने कहा कि संख्या इससे कहीं अधिक है। इजराइल में सात लोगों की मौत हो गई जिनमें छह साल का लड़का शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने लड़ाई खत्म करने को लेकर नेतन्याहू से बात की है लेकिन साथ ही इजराइली नेता का समर्थन भी किया।

G-7 समिट में डिजिटल तरीके से हिस्सा ले सकते हैं PM मोदी, ब्रिटेन सरकार ने दी जानकारी

(एजेंसी)।

ब्रिटिश सरकार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने डिजिटल माध्यम से कार्नवेल में ब्रिटेन की मेजबानी में आयोजित G-7 समिट की बैठक में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मोदी इस बैठक में शामिल होने के लिए कार्नवेल नहीं जा पाएंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बॉरिस जॉनसन ने ब्रिटेन की विदेश नीति में हिंद प्रशांत क्षेत्र पर विशेष बल देने के तहत मोदी को 11-13 जून के दौरान होने वाली इस बैठक में शामिल होने का न्यौता दिया था। भारत, आस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया तीन अतिथि देशों में शामिल हैं। अतिथि नेताओं को ग्रुप ऑफ सेवन की बैठक के विशेष सत्रों में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रित किया जाएगा। इस सम्मेलन की अध्यक्षता ब्रिटेन करेगा। G-7 में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका और यूरोपीय संघ हैं। ब्रिटेन सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमें इस बात से निराशा हुई कि प्रधानमंत्री मोदी घरेलू कोरोना वायरस प्राथमिकताओं की वजह से G-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने नहीं आ पाएंगे लेकिन हम उनका डिजिटल तरीके से स्वागत करने के लिए आशान्वित हैं। मंगलवार

को विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की थी कि देश में ष्प1द्वस्र-19 की स्थिति के चलते प्रधानमंत्री को ब्रिटेन यात्रा की योजना रद्द करनी पड़ी। पिछले सप्ताह लंदन में G-7 के विदेश एवं विकास मंत्रियों की बैठक हुई थी जहां विदेश मंत्री एस. जयशंकर ब्रिटिश विदेश मंत्री डोमनिक राब के अतिथि के तौर पर पहुंचे थे।

वाशिंगटन में शर्तों के साथ पूरी तरह खुले स्कूल, छात्रों को पहनना होगा मास्क

(एजेंसी)।

अमेरिका में वाशिंगटन के प्राधिकारियों ने कहा कि राज्य में सभी स्कूल वर्ष 2021-22 में छात्रों के लिए पूरी तरह खुलेंगे तथा छात्र और कर्मचारियों को मास्क पहनना होगा। वाशिंगटन राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि इन्हें कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए तैयार किया गया है। मास्क लगाने का निर्देश विवादों में घिर सकता है क्योंकि रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने वीरवार को कहा कि कोविड-19 टीके की दोनों खुराक ले चुके लोगों को बाहर जाने पर

या अंदर रहने पर मास्क पहनने की आवश्यकता नहीं है। अभी वाशिंगटन राज्य में 12 साल से अधिक आयु के लोग ही कोविड-19 रोधी टीका लगवा सकते हैं। वाशिंगटन में करीब 11 लाख छात्र स्कूलों में पढ़ते हैं। स्कूलों ने अपने दिशा निर्देशों में कहा कि अगर छह फुट की दूरी का पालन नहीं किया जा सकता तो सभी लोगों को बाहर के साथ ही घर के अंदर भी मास्क पहनना होगा।

Corona virus: विदेशों से मदद जारी, कजाकिस्तान से भारत पहुंचे 56 लाख मास्क

नेशनल डेस्क। कोरोना वायरस की दूसरी लहर का भारत पर ज्यादा कहर बरप रहा है। देश में हर दिन लाखों की तादाद में संक्रमित केस आ रहे हैं। वहीं कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा भी कम होने का नाम नहीं ले रहा। ऐसे समय में दुनियाभर के कई देश भारत की इस मुश्किल घड़ी में साथ खड़े हैं और अपनी तरफ से हरसंभव मदद भी कर रहे हैं। कजाकिस्तान भी इसमें पीछे नहीं हैं। कजाकिस्तान से 56 लाख मास्क भारत पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि कजाकिस्तान से 56 लाख मास्क भारत आए हैं। बता दें कि अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब से लेकर भूटान, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देश से भारत के लिए मेडिकल उपकरण आ रहे हैं ताकि कोरोना की दूसरी लहर का भारत सामना कर सके।

अमेरिका में कोरोना वैक्सीन लगवा चुके लोगों के लिए अब मास्क पहनना जरूरी नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी):

कोरोना संक्रमण की मार झेल चुका अमेरिका अब इसे मात देता नजर आ रहा है। अमेरिका में कोरोना का टीका ले चुके लोगों को अब मास्क लगाने की जरूरत नहीं है। टीका लगा चुके लोग अब एक दूसरे से मिल भी सकते हैं। टीका लगा चुके लोग घर के अंदर हों या फिर लोगों के बीच उन्हें मास्क की जरूरत नहीं है। अधिकारियों ने गुरुवार को सामाजिक जीवन पर लगी बंदिशों को खोलने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। लाखों अमेरिकियों ने एक साल से अधिक वक्त महामारी की वजह से घरों में बिता दिया। टीकाकरण के बाद आया है यह परिवर्तन लोगों के जीवन में एक बार फिर नयापन लेकर आएगा। बता दें कि अमेरिका में एक बड़ी आबादी ने शिकायत की थी कि वैक्सीन से सुरक्षित होने के बाद भी सीडीसी (रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र) बंदिशें नहीं हटा रहा है। 117 मिलियन से अधिक अमेरिकी वैक्सीन की पूरी प्रक्रिया का हिस्सा बन चुके हैं, जो कि अमेरिका की आबादी का 35 प्रतिशत है। सीडीसी के अधिकारियों ने कहा कि दुनिया भर में कोरोनो वायरस टीकों की प्रभावकारिता के आंकड़े सबूत हैं कि टीका लेने के बाद लोग महामारी से सुरक्षित हो रहे हैं। सीडीसी ने यह भी कहा कि वैक्सीन अमेरिका में कोरोना के घातक म्यूटेंट के खिलाफ असरदार है और लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है। देश के घटते मामलों और पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके लोगों में संक्रमण ना के बराबर पाया गया है। इसके बावजूद भी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि महामारी फिर से भयावह रूप लेती है तो दिशानिर्देश बदले जा सकते हैं। प्रतिबंधों में दी गई यह छूट हवाई यात्राओं पर और स्वास्थ्य क्षेत्र में लगे लोगों पर लागू नहीं होती है। अधिकारियों ने यह भी कहा कुछ व्यवसायों से जुड़े लोगों को अभी भी मास्क की आवश्यकता हो सकती है।

कोरोना का बढ़ता कहर, सिंगापुर में लगा एक महीने का लॉकडाउन... कड़ी पाबंदियां भी लागू

(एजेंसी)।

सिंगापुर में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने वहां पर एक महीने के लॉकडाउन की घोषणा की है। सिंगापुर में 16 मई से लेकर 13 जून तक लॉकडाउन रहेगा। इसी के साथ ही सिंगापुर में कड़ा पाबंदिया लगाई गई है। लोगों के इकट्ठा होने और जन गतिविधियों पर पाबंदियां शुक्रवार को कड़ी कर दी। शिक्षा मंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा कि समूह में एकत्रित होने वाले लोगों की संख्या पांच लोगों से घटाकर दो लोगों तक की जाएगी। चैनल न्यूज एशिया ने खबर दी कि यह कदम उन रिपोर्टों के बाद उठाया गया है कि ष्प1द्वस्र-19 के ज्यादातर मामले चांगी हवाई अड्डे, स्कूल और अस्पतालों से जुड़े हैं। वोंग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर आप किराना का सामान खरीदने, व्यायाम करने या किसी भी चीज के लिए बाहर जाते हैं तो अधिकतम दो लोगों को इकट्ठा होने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम हर किसी को जितना संभव हो सके, घर में रहने के लिए प्रेरित करते हैं, केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर जाएं। वोंग ने कहा कि अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है तो हम निश्चित तौर पर और सख्त कदम उठाने की संभावना से इनकार नहीं करेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक अलग प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि दो से ज्यादा लोग एकत्रित नहीं हो सकते चाहे वे घर में अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों से मिल रहे

हो या सार्वजनिक स्थान पर।इसमें कहा गया है कि इस अवधि के दौरान किसी बंद जगह में होने वाले व्यायाम और खेल गतिविधियों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी।

बहरहाल मेडिकल और दंत चिकित्सा संबंधी सेवाएं जारी रह सकती हैं। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सामुदायिक संक्रमण के 24 मामलों की जानकारी दी जो सितंबर के बाद से सबसे अधिक संख्या है। देश में अब तक कोरोना वायरस के 61,000 से अधिक मामले आ चुके हैं और 31 लोगों की मौत हो चुकी है।

कोरोना से बेहाल हुआ नेपाल, शवदाहगृह में आ रही शवों की बाढ़

काठमांडू। नेपाल में प्रख्यात पशुपतिनाथ मंदिर के पास स्थित श्मशान घाट सहित अन्य शवदाहगृहों में, कोरोना की दूसरी लहर के दौरान संक्रमण से मरने वाले लोगों के शव बड़ी संख्या में आ रहे हैं। रिपोर्ट में शुक्रवार को इसकी जानकारी दी गई। स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 से 214 और लोगों ने जान गई। देश में महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या अब 4,466 हो गई है। देश में कोरोना के मामले 431,191 हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में अकेले काठमांडू घाटी में एक दिन में 100 से अधिक शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। रिपोर्ट ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में संक्रमण के मामले ज्यादा न बढ़ने के बावजूद मृतकों की संख्या बढ़ रही है। पशुपति शवदाहगृह में कभी इतने शव नहीं दिखे। मुख्य संयोजक ने बताया कि कर्मचारी दिन और रात कोविड-19 से मरने वाले लोगों का अंतिम संस्कार कर रहे हैं। पशुपति क्षेत्र विकास न्यास द्वारा बिजली से संचालित शवदाहगृह के मुख्य संयोजक सुभाष कार्की ने कहा, हमारे द्वारा रातभर 110 शवों को जलाया। पिछले दो हफ्तों से कार्की निर्धारित समय से अधिक काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पहले हमें अधिकतम 80 शव मिलते थे और मंगलवार को 110 शव मिले। हमारे पास केवल 35 कर्मी हैं। हमें नेपाल सेना की भी मदद मिल रही है। अगर शवों की संख्या बढ़ती है,तब उन्हें जलाने के लिए लकड़ियों की कमी हो सकती है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि शव को मुखाग्नि देने के लिए करीब 300 किलोग्राम लकड़ियों की आवश्यकता होती है, जिसकी कीमत करीब 10,000 रुपये आती है। बिजली से संचालित शवदाहगृह में हर दिन औसतन 18 शव जलाए जाते हैं।

कोरोना वायरस के कारण लगातार दूसरे वर्ष फीका रहा ईद का जश्न

इंटरनेशनल डेस्क।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण मुस्लिम समुदाय के लोग बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे वर्ष ईद-उल-फित्र हर्षोल्लास से नहीं मना सके। महामारी के कारण मस्जिदें बंद रहीं और इस त्योहार को मनाने के लिए परिवार के लोग एकजुट नहीं हो पाए। गाजा पट्टी में इजराइली जंगी जहाज़ों की बमबारी के बीच क्षेत्र पर शासन करने वाले हमास ने लोगों से अपने घरों में या नजदीकी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करने और खुले में आने से बचने की गुजारिश की है। हसन अबू शाबान ने कहा, यह हवाई हमलों की तबाही की वजह से है। उन्होंने राहगीरों को चॉकलेटें बांटी हैं। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सड़कों पर लोग सामूहिक नमाज के लिए एकत्रित हुए, उन्होंने मास्क पहन रखे थे। कम जोखिम वाले इलाकों में मस्जिदों में नमाज की अनुमति दी गई लेकिन अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में मस्जिदें बंद रहीं। दक्षिणपूर्वी एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद, जकार्ता स्थित इस्तिकला ग्रांड मस्जिद भी ईद पर बंद रही। इंडोनेशिया तथा मलेशिया में ईद पर लगातार दूसरे साल लोगों को अपने संबंधियों के घर जाने के लिए यात्रा करने की इजाजत नहीं थी। बांग्लादेश में, हजारो लोग अपने परिवारों के साथ ईद मनाने के लिए राजधानी ढाका से अपने गांवों की ओर रवाना हो रहे हैं। हालांकि देश में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगा हुआ है। विशेषज्ञों ने देश में मामलों के बढने की आशंका व्यक्त की है जो टीके की कमी से जूझ रहा है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने टेलीविजन पर संबोधन में कहा, ऐसे समय पर हमें अपने रिश्तेदारों की कमी खलती है, खासकर ईद के मौके पर। लेकिन अपने घरों को नहीं जाकर और समूह में इकठ्ठे न होकर हमें सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। पिछले वर्ष भी ईद के मौके पर इसी तरह की पाबंदियां थीं बावजूद इसके ईद की छुट्टी के तीन हफ्ते बाद इंडोनेशिया में संक्रमण के दैनिक मामले 37 फीसदी तक बढ़ गए थे।

अमेरिका ने अपने 120 सैनिकों को इजरायल से बुलाया वापस

वाशिंगटन (एजेंसी):

अमेरिका ने क्षेत्र में बढ़ती हिंसा के बीच इजरायल से अपने करीब 120 सैनिकों को वापस बुला लिया है। अमेरिकी यूरोपीय कमांड के प्रवक्ता चार्ल्स प्रिचार्ड ने गुरुवार को स्पूतनिक को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा,''रैमस्टीन एयर बेस से सी17 विमान के जरिए आज लगभग 120 सैन्य कर्मी इजरायल से जर्मनी पहुंचे। हमने इजराइल के साथ समन्वय में निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि एक नियमित कार्यक्रम के लिए यह समूह इजरायल में था, जिसे इस सप्ताह खत्म होना था। गौरतलब है कि इजरायल और फलस्तीन के बीच जंग कूटनीतिक प्रयासों के बाद भी तेज हो रही है। हमास और इजरायल के बीच राकेट और हवाई हमले बढ़ गए हैं। गाजा इजरायल के कुछ शहरों में यहूदी और अरबी मूल के लोगों के बीच दंगे शुरू हो गए हैं रॉकेट हमलों में गाजा में मरने वालों की संख्या 83 से भी ज्याद हो गई है। इजरायल में पांच वर्ष के बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई। इजरायल ने गाजा पर ताज हवाई हमलों में फिर एक छह मंजिला इमारत को ढहा दिया। इस इमारत से हमास की गतिविधिया संचालित हो रही थीं। यहां के लोगो को कोरोना के संकट के बीच इजरायल के हमलों का डर सत रहा है। यही हालत इजरायल की है। यहां भी नागरिक स्थल हमास के रॉकेटों का शिकार हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

काबुल के पास मस्जिद में हुआ विस्फोट, 12 लोगों की हुई मौत

नेशनल डेस्क। उत्तरी काबुल में जुमे की नमाज के समय एक मस्जिद में हुए विस्फोट में 12 नमाजियों की मौत हो गई। काबुल पुलिस के प्रवक्ता फर्दवस फरामर्ज ने बताया कि मस्जिद के इमाम मुफ्ती नईमन की भी हमले में मौत हो गई है, वहीं 15 अन्य लोग भी घायल हुए हैं। फरामर्ज ने बताया कि नमाज शुरू होते ही धमाका हो गया। अभी तक किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन प्राथमिक जांच से प्रतीत होता है कि शायद इमाम को निशाना बनाकर हमला किया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में तीन शव मस्जिद में खून से लथपथ नजर आ रहे हैं, जिसमें एक नाबालिग भी है। यह विस्फोट ऐसे वक्त हुआ है जब तालिबान और अफगानिस्तान सरकार ने ईद-उल-फितर के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की घोषणा कर रखी है।

अमेरिका ने कोविड मदद के रूप में दिए 75 करोड़ डॉलर

वाशिंगटन: अमेरिकी सरकार ने 42 राज्यों और पांच क्षेत्रों के मकान मालिकों को कोविड-19 अमेरिकी बचाव योजना के तहत करीब 75 करोड़ डॉलर की सहायता प्रदान की है। ट्रेजरी विभाग की गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि योजना में राशि हासिल करने वालों को विभिन्न प्रकार की छूट भी दी गई है। साथ ही उन्हें कोरोना संकट के कारण होने वाले वित्तीय संकट से उबारने में भी यह कारगर भूमिका निभाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 42 राज्यों में से प्रत्येक के लिए न्यूनतम पांच करोड़ डॉलर प्रदान किए गए हैं और इसमें वाशिंगटन, जो एक राज्य नहीं है, और प्यूटर रिको का क्षेत्र भी शामिल है।

भारत में कोरोना वैक्सीन के दूसरे डोज की समयावधि बढ़ाना सही फैसला: डॉ फाउची -चार हफ्ते से ज्यादा के अंतराल पर दूसरी खुराक देने से 79 फीसदी ज्यादा होता है असर

वॉशिंगटन। अमेरिका के चर्चित संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एंथनी फाउची ने भारत में कोविशील्ड कोरोना वैक्सीन के दूसरे डोज की समयसीमा को बढ़ाने का समर्थन किया है। डॉक्टर फाउची ने कहा कि अगर आपके पास पर्याप्त वैक्सीन नहीं है तो पहले और दूसरे डोज के बीच समय सीमा बढ़ाना एक विवेकपूर्ण फैसला है। इससे ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन की कम से कम एक डोज तो लग जाएगी। डॉक्टर फाउची ने कहा कि इस बात की संभावना न के बराबर है कि कोरोना वायरस वैक्सीन के दूसरे डोज में देरी से इसके प्रभाव पर बुरा असर पड़ेगा। इससे पहले भारत में ऑक्सफर्ड की कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड की दो खुराकों के बीच का गैप 6-8 हफ्ते से बढ़ाकर 12-16 हफ्ते कर दिया गया। राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकर समूह (एनटीएजीआई) का कहना है कि ब्रिटेन में यह अंतराल 12 हफ्ते है जिसे जबिल्युएचओ ने भी सही ठहराया है। एनटीएजीआई का कहना है कि ब्रिटेन के अनुभव से सीख ली गई है। दरअसल, ब्रिटेन में यह गैप 12 हफ्ते ही है और यूरोपियन यूनियन ने भी इसे बढ़ाने की सलाह नहीं दी है। कुछ स्टडीज में यह कहा गया है कि दोनों खुराकों के बीच ज्यादा अंतराल होने पर फायदा ज्यादा होता है। इस वैक्सीन पर अंतरराष्ट्रीय टीमों की रिसर्च के डेटा में पता चला कि दो खुराकों के बीच में 12 हफ्ते का अंतर होने से ज्यादा असर होता है। अमेरिका, पेरू और चिली में किए गए ट्रायल में पाया गया कि चार हफ्ते से ज्यादा के अंतराल पर दूसरी खुराक देने से 79 फीसदी असर ज्यादा होता है। दूसरे देशों में डेटा से पता चला कि 6 हफ्ते बाद दूसरी खुराक देने से ज्यादा असर होता है। ब्राजील, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में पाया गया कि दूसरी खुराक 6-8 हफ्ते बाद देने से असर 59.9 फीसीदी, 9-11 हफ्ते बाद देने से 63.7 फीसदी और 12 या उससे ज्यादा हफ्ते बाद देने से 82.4 फीसदी असर देखा गया। द लैंसेट में यह स्टडी फरवरी में छपी थी लेकिन इसका पियर-रिव्यू नहीं किया गया है। फिलहाल किसी स्टडी में 16 हफ्ते बाद दूसरी खुराक के असर को नहीं देखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऊसर भूमि को बनाया जा सकता है उपजाऊ

ऊसर वह कहलाती भूमि कहलाती है, जिसमें कुछ भी पैदा नहीं होता। यदि होता भी है तो बहुत ही नाममात्र के लिए। भूमि में ऊसरीलापन मिट्टी में लवणता या क्षारीयता अथवा दोनों की ही अधिकता के कारण होता है। ऊसर भूमि तीन प्रकार की होती है-

1. **लवणीय मृदा-** इस प्रकार की मृदा में घुलनशील सोडियम नमक की अधिकता होती है।

पहचान- स्थानीय भाषा में इस मृदा को रेह, रेहटा या नमकीन मृदा (सेलाइन स्वाइल) कहते है। ऐसी मृदा में भूमि की सतह पर उभरे, फूले, सफेद, सिलेटी रंग के लवण दिखाई देते है जो कि समूहों व टुकड़ों में मिलते है। ऐसी भूमि पर चलने पर अच्छा लगता है। लवणीय भूमि की सतह की मृदा एवं उसके नीचे की मृदा कड़ी एवं कम्पैक्ट नहीं होती है।

2. **लवणीय-क्षारीय मृदा-** इस प्रकार की मृदा में घुलनशील सोडियम की अधिकता के साथ-साथ विनिमयशील सोडियम की भी अधिकता होती है।

पहचान- साधारण भाषा में इस मृदा को ऊसर, रेह कहते है। इस मृदा में लवणीय-क्षारीय भूमि के मिले जुले गुण रहते है। भूमि की ऊपरी सतह भूरे रंग की होती है जिस पर रेह या सफेद लवण प्रचुर मात्रा में रहते है तथा नीचे की सतह क्षारीय भूमि की भांति सख्त होती है। इस भूमि में नीचे कंकड़ भी मिलता है। ऐसी मृदाओं में टुकड़ों में कहीं-कहीं पर सतह पर लवण व कहीं-कहीं पर ऊसर घास भी दिखाई देती है।

क्षारीय मृदा- क्षारीय मृदा देखने में काली या स्लेटी रंग की होती है। प्रदेश में पायी जाने वाले क्षारीय मृदा में विनियमशील सोडियम की अधिकता होती हे तथा इसका सुधान मृदा सुधारक यथा जिप्सम, पायराइट आदि के उपयोग के बिना संभव नहीं होता है।

पहचान- इस मृदा को स्थानीय भाषा में ऊसर, बजर, कल्लर या एल्कली स्वाइल कहते है। भूमि चौरस जिस पर काले भूरे रंग के अवशेष पदार्थ धब्बों के रूप में दिखाई देते है। ऐसी भूमि की सतह सीमेंट की भांति बहुत कड़ी और कम्पैक्ट होती है। भूमि की भौतिक दशा बहुत खराब होती है जिससे गड्ढ़ों में पानी बहुत दिनों तक भरा रहता है।

ऊसर बनने के कारण

- वर्षा अधिक किन्तु जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होना।
- भूमिगत जल स्तर ऊँचा होना।
- नहरी क्षेत्रों में जल रिसाव का होना।
- भूमि को अधिक समय से परती छोडऩा।
- कम वर्षा एवं तापमान का अधिक होना।

ऊसर भूमि को सुधारने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये जाते हैं-

1. **मेड़बन्दी-** ऊसर सुधार के लिए ऊसरीले खेतों में ऊँची और मजबूत मेड़ बनाने का कार्य सितम्बर-अक्टूबर तक अवश्य पूर्ण कर लेना चाहिए। (मेंड का आधार 90 सेमी. ऊँचाई 30 सेमी., टाप 30 सेमी. तथा सेक्शन एरिया 0.18 वर्ग मी. होना चाहिए)

2. **स्क्रेपिंग-** जिन खेतों में लवण की सफेद चादर सी दिखाई देती है उन खेतों में मृदा की ऊपरी परत को फावड़ा की सहायता से खुरचकर इकट्ठा कर उसे किसी गहरे गड्ढे में दबा देते हैं अथवा बड़े नाले के द्वारा बहते हुए पानी में गिरा देते हैं।

3. **सब प्लाटिंग-** अच्छे ऊसर सुधार हेतु खेत को छोटे-छोटे टुकड़ों में (लगभग 18-20 डेसीबल) बनायें।

4. **जुताई/समतलीकरण-** ऊसर खेतों का सुधार तभी संभव है जब खेत ठीक से समतल किया गया हो। इसके लिए सूक्ष्म समतलीकरण करने हेतु लेजर लेवलर के द्वारा समतलीकरण किया जाय जिसे कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक से सम्पर्क कर उपयोग में लाया जा सकता है।

5. **खेत नाली (लिंक ड्रेन)-** सभी ऊसरीले खेतों में भूमि के ढाल के अनुसार निचली तरु या दो खेतों के बीच की मेड़ को फाड़कर फील्ड ड्रेन तैयार की जाती हे जिसका दूसरा सिरा सम्पर्क नाली (लिंक ड्रेन) से जोड़ा जाता है। (आकार-मुंहफाड़ 90 सेमी. गहराई 30 सेमी., तली 30 सेमी. तथा सेक्शन एरिया 0.18 वर्ग मी.)

6. **जल उपयोग** समूहों से निकली खेत नालियों (फील्ड ड्रेन) को सम्पर्क नाली में गिराया जाता हे। सम्पर्क नाली का एक सिरा मुख्य नाले में गिरता है। आकार-मुंहफाड़ 165 सेमी. गहराई 60 सेमी. तली 45 सेमी. तथा सेक्शन एरिया 0.63 वर्ग मी. (100 हे. हेतु)।

7. **मुख्य नाला-** ऊसरीले खेतों से लवणीय पानी खेत नाली के द्वारा लिंक ड्रेन में तथा लिंक ड्रेन को मुख्य नाला से जोड़ा जाता है। मुख्य नाला पूरे ऊसर क्षे9 के लवणीय पानी को नदी में ले जाता है। इसकी खुदाई एवं सफाई का कार्य सिंचाई विभाग द्वारा कराया जाता है।

8. **बोरिंग-** प्रत्येक जल उपयोग समूह के 4 हे. क्षेत्र में सिंचाई की सुनिश्चित व्यवस्था हेतु बोरिंग के अभाव में समूह के सबसे ऊंचे खेत में बोरिंग प्रस्तावित कर निगम द्वारा बोरिंग हेतु पी.वी.सी. पाइप, रिफ्लेक्स वाल्व के साथ ही बोरिंग मैकिनिक एवं मजदूरों हेतु सफल बोरिंग होने पर मापन के अनुसार निगम द्वारा समूह के खाते में भुगतान किया जाता है।

9. **नलकूप व्यवस्था-** पम्पसेट की व्यवस्था बोरिंग धारक को स्वयं से अपने संसाधनों द्वारा समूह के सामूहिक सहयोग से क्रय किया जाता है। इस हेतु निगम द्वारा कोई अनुदान की सुविधा नहीं दी जाती है।

10. **सिंचाई नाली-** आकार-मुंहफाड़ 120 सेमी. गहराई 30 सेमी. तली 30 सेमी. तथा सेक्क्षन एरिया 0.225 वर्ग मी.।

11. **फ्लैशिंग-** लवणीय मृदा से फ्री साल्ट को पानी में घोलकर निकालने हेतु ऊसरीले खेतों में 15 सेमी. ऊंचा 48 घण्टे हेतु पानी भरते है जिसमें घुलशील लवण पानी में घुल जाते है जिसे जल निकास नाली द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है। इस सम्पूर्ण क्रिया को फ्लैशिंग कहा जाता है। यह क्रिया सदैव जिप्सम मिक्सिंग से पूर्ण की जाती है।

12. **जिप्सम मिक्सिंग-** फ्लैशिंग के उपरांत ओट आने पर भूमि की श्रेणी के अनुसार प्राप्त करायी गयी जिप्सम के बैग को समान-समान दूरी पर खोलते है। तत्पश्चात् हाथ से पूरे खेत में एक समान जिप्सम बिखेर कर कल्टीवेटर द्वारा हल्की जुताई (3-5 सेमी.) करते हैं एवं पाटा नहीं लगाते है। जिप्सम मिक्सिंग का उपयुक्त् समय जून माह होता है।

13. **लीचिंग-** जिप्सम मिक्सिंग के उपरांत (15 जून से 30 जून के मध्य) खेतों में 15 सेमी. ऊंचा पानी भरते है जिसे 10-12 दिन बाद जल निकास नाली के द्वारा निकाल देते हैं। यदि बीच में पानी सूख जाता है तो उसमें पुन- बोरिंग द्वारा पानी भर जाता है।

ऊसरीले खेतों में जीवांश खाद/कार्बनिक खादों का लगातार प्रयोग करने से भी लवणीय मृदा का सुधार होता है।

14- **नर्सनी की तैयार-** निगम द्वारा ऊसर भूमि हेतु उपलब्ध कराये गये खरीफ निवेश (धान, डी.ए.पी. यूरिया एवं जिंक सल्फेट) को 15 मई के बाद उपजाऊ जमीन में जहां पर सिंचाई का अच्छा साधन हो, वहां पर 60 किग्रा. प्रति हे. की दर से बीज का प्रयोग करते है। रोपाई के क्षेत्र के 1/10 हिस्से में धान की नर्सरी डाली जाती है।

15. **रोपाई-** जब धान की नर्सरी 35 दिन की हो जाय तो उसकी रोपाई लीचिंग के उपरांत बोरिंग से अच्छा पानी भरकर एक वर्ग मी. में 65-70 स्थान पर 4-5 पौधों की रोपाई 25 जून से 10 जुलाई के बीच सम्पन्न कर लेते है।

16. **धान फसल की देखभाल-** रोपाई के एक सप्ताह बाद खेत से पानी निकाल दें। कुछ सूखने के बाद यदि वर्षा न हो तो धान की सिंचाई करें। पानी भरे रहने के कारण ऊसरीली मृदा में लवण की अधिकता से हरी काई का प्रकोप होता है। इसके लिए खुली धूप में 0.2-0.3 प्रतिशत कापर सलफेट (तूतिया) का घोल बनाकर छिडकाव करें अथवा सूखी झाड़ी से काई को तोड़कर जल निकास नाली से बाहर बहा दें। धान की फसल हेतु दी जाने वाली यूरिया की मात्रा को बराबर-बराबर चार भागों में बांटकर पहला भाग रोपाई के 13-15 दिन, दूसरा भाग 27-30 दिन, तीसरा भाग 45-50 दिन तथा चौथा भाग बालियां निकलते समय (65-70) दिन पर प्रयोग किया जाय।

17. **धान की कटाई-** जब धान की बालियां पीली पड़कर नीचे की तरफ झुकने लगे तो ऐसी दशा में धान की कटाई जमीन की सतह से 6 इंच ऊपर से करते है।

18- **गेहूं के खेत की तैयारी करना-** धान के ठूंकों को सड़ाने के लिए नमी की अवस्था में 40 किग्रा. यूरिया प्रति हे. बुरकाव कर हैरो/कल्टीवेटर द्वारा जुताई कर पाटा चला देते है। एक सप्ताह के बाद कल्टीवेटर से जुताई कर खेत की तैयारी कर लेते है। जिन क्षेत्रों में धान की कटाई विलम्ब से हो वहां पर सीधे जीरोटिल फर्टीसीड ड्रिल से बुवाई करें।

19. **गेहूं की देखभाल-** यदि बीज पहले से शोधित नहीं है तो बोने से पूर्व बीज को कार्बान्डाजिम अथवा कार्बाक्सिन रसायन 2.5 प्रति किग्रा. बीज (100 किग्रा. में 250 ग्राम दवा) की दर से शोधित कर बोवाई करें। बुवाई के समय बेसल के रूप में 96 किग्रा. यूरिया, 87 किग्रा. डी.ए.पी., 33 किग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश तथा 25 किग्रा. जिंक सल्फट प्रति हे. खेत की तैयारी के समय जमीन में मिला देते है तथा जिंक सल्फेट को डी.ए.पी. उर्वरक के साथ मिश्रण कर प्रयोग नहीं करते है। यूरिया की शेष मात्रा को दो भागों में बांटकर प्रथम पहली सिंचाई 28 दिन के बाद ताजमूल अवस्था पर करने के पश्चात ओट पर 65 किग्रा. तथा तीसरी सिंचाई के बाद 60-65 दिन पर गांठ बनने की अवस्थ पर ओट आने पर 65 किग्रा. यूरिया की टाप ड्रेसिंग करते है। गेहूं में पांच सिंचाई की दशा में पहली ताजमूल अवस्था में बुवाई के 28 दिन बाद, दूसरी कल्ले फूटते समय बुवाई के 40-45 दिन बाद, तीसरी गांठ बनने बनने पर 60-65 दिन बाद, चौथी बाली निकलते समय बुवाई के 80-85 दिन बाद, पांचवी दूधिया अवस्था में बुवाई के 100-105 दिन तथा छठी दान पकने पर 115-120 दिन पर सिंचाई करते है। यदि मात्र तीन ही सिंचाई उपलब्ध है तो पहली ताजमूल बुवाई के 28 दिन बाद, दूसरी गांठ बनने पर बुवाई के 60-65 दिन बाद, तीसरी दूधिया अवस्था में बुवाई के 100-105 दिन बाद सिंचाई करनी चाहिए। ऊसरीले क्षेत्रों में सिंचाई हल्की करनी चाहिए।

20. गेहूं की कटाई-मड़ाई एवं भण्डारण- फसल की बालियां पक जाने पर फसल को तुरन्त काट लेना चाहिए। कटाई के बाद पावर थ्रेशर द्वारा मड़ाई करके अनाज को अलग कर लेना चाहिए। अनाज को सुखाने के उपरांत धातु की बनी बखालियों में भण्डारण करना चाहिए।

21. हरी खाद ढैंचा- अच्छे ऊसर सुधार के लिए ढैंचा की हरी खाद बहुत उपयोगी होती है। हरी खाद के लिए ढैंचा एक सर्वोत्तम फसल है। ऊसर में ढैंचा की आसानी से हरी खाद तैयार की जाती है। एक हे. के लिए 60 किग्रा. बीज की आवश्यकता पड़ती है जिसे 24 घण्टे पानी में भिगोकर उसे जिप्सम से उपचारित कर बुवाई करने से अंकुरण अच्छा होता है। इसमें प्रत्येक 10-15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते हुए 45 दिन पर जब फसल 1.5 से 2.0 फुट लम्बी हो जाय तो नमी की दशा में पावर डिस्क हैरो के द्वारा पलटाई कर देते है (आवश्यकता पडऩे पर 40 किग्रा. हे. यूरिया का छिड़काव भी किया जा सकता है जिसे अगली फसल में दी जाने वाली यूरिया की मात्रा से कम कर देना चाहिए) ढैंचा की फसल से जीवांश पदार्थ के साथ लगभग एक बोरी यूरिया के बराबर नत्रजन की जमीन में बढोत्तरी होती है जो कि जमीन में संरक्षित रहती है। इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाने से ऊसर भूमि धीरे-धीरे उपजाऊ हो जाती है। ऊसर भूमि के सुधर जाने के बाद कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें ताकि भूमि फिर से ऊसर न होने पाये।

- सुधारे गये क्षेत्र को कभी खानी न छोड़े।
- जैविक खाद जैसे गोबर की सड़ी खाद, कम्पोस्ट, हरी खादों का अधिकाधिक प्रयोग करें।
- सिंचाई हल्की करें।
- नहरी सिंचाई से बचें।
- जल निकाल का विशेष ध्यान रखें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गिरोह ने भागने के लिए पीएसआई पर वैन चढ़ाने का प्रयास

चिखलीगर गिरोह के पांच शख्स सूरत क्राइम ब्रांच के शिकंजे में, २.७० लाख माल-सामान जब्त

क्रांति समय दैनिक

सूरत,सूरत क्राइम ब्रांच ने लूट के इरादे से निकले चिखलीगर गिरोह के ५ शख्सों को बोलेरो पिकअप वैन और हथियार समेत रु २.७० लाख के माल सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान गिरोह ने भागने के लिए पीएसआई पर वैन चढ़ाने का प्रयास किया। जिसमें पीएसआई बाल बाल बच गए। जानकारी के मुताबिक पिछले काफी समय से सूरत समेत आसपास के इलाकों में चिखलीगर गिरोह ने आतंक मचा रखा था। वाहन चोरी और घरफोड़ चोरी की कई घटनाओं को गिरोह ने अंजाम दिया था। इस बीच सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि चिखलीगर गिरोह सूरत के ओलपाड क्षेत्र में चोरी के इरादे से आ रही है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी। उस वक्तचोरी की बोलेरो

पिकअप वैन देख पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया। वैन ने चालक ने भागने के लिए एक स्कोर्पियो टक्कर मार दी और बाद में क्राइम ब्रांच के पीएसआई पर वैन चढ़ाने का प्रयास किया। हांलाकि पीएसआई बच गए। करीब १५ से २० मिनट की जद्दोजहद के बाद क्राइम ब्रांच ने चिखली गिरोह के २३ वर्षीय अजयसिंह उर्फ मामू भूरासिंह, ३० वर्षीय आजादसिंह उर्फ धनरी चिखली, २३ वर्षीय अमृतसिंह उर्फ अन्ना चिखली, १९ वर्षीय रोहित राजुसिंह चिखली और ३० वर्षीय हरजीतसिंह अजीतसिंह चिखली को दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शख्सों से बोलेरो पिकअप वैन के अलावा मिर्च पाउडर, चाकू, टॉर्च, लोहे के रॉड समेत कुल रु २.७० लाख का माल-सामान जब्त कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार शख्सों के खिलाफ हत्या की कोशिश, लूट समेत कई दफाओं के तहत मामला दर्जकर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

हनीट्रेप मामले में गिरफ्तार महिला पीआई ने सैनिटाइजर गटगटाया, अस्पताल में भर्ती

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,शहर क्राइम ब्रांच ने हनीट्रेप के मामले में महिला पुलिस निरीक्षक गीता पठान को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार गीता पठान ने देर रात सैनिटाइजर पी लिया, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। गीता पठान पर आरोप है कि वह व्यापारियों को हनीट्रेप में फांसकर उनसे रुपए ऐंठते गिरोह की मदद करती थी। यह खुलासा हनीट्रेप गिरोह के पकड़े गए सदस्यों से पूछताछ में हुआ था। जिसके बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने फिलहाल पाटन में बतौर पीआई सेवारत गीता पठान को गिरफ्तार किया था। दरअसल अहमदाबाद क्राइम ब्रांच में एक व्यापारी ने हनीट्रेप की शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसके आधार पर क्राइम ब्रांच ने जितेन्द्र उर्फ जीतु मोदी, बिपिन परमार, उन्नती उर्फ राधिका राजपूत और जाह्नवी उर्फ जीनल पढियार को गिरफ्तार किया था। हनीट्रेप गैंग का मास्टर माइंड जितेन्द्र मोदी है, जो फेसबुक पर अलग अलग युवतियों के नाम से एकाउंट बनाकर व्यापारियों को फ्रैंड रिक्वेस्ट भेजता था। बाद में मैसेंजर पर नंबर देकर उन्नती और जाह्नवी नामक युवतियों से बातचीत करवाता। व्यापारी के फंसने के बाद उसे होटल के कमरे

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

या कार बुलाया जाता। जहां युवती उसके साथ शारीरिक संबंध बनाती। बाद में संबंधित व्यापारी के खिलाफ महिला पुलिस थाने में शिकायत करवाता। गिरोह के अन्य लोग युवती के बहन-बहनोई की पहचान देकर व्यापारी को पोस्को और रेप केस दर्ज कराने की धमकी देकर उससे रुपए ऐंठते थे। हनीट्रेप गैंग अब तक कई लोगों से इसी प्रकार लाखों रुपए ऐंठ चुका है।

हनीट्रेप के आरोप लगने के बाद महिला पीआई गीता पठान का पाटन में तबादला कर दिया गया था।

लोकिन मामला दर्ज होने के बाद गीता पठान फरार हो गई थी।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बीते दिन गीता पठान को गिरफ्तार किया था।

देर रात सैनिटाइजर पी लेने के बाद गीता पठान को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा नेता के भतीजे को कोविड नियमों का उल्लंघन पड़ा महंगा,पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत,कोरोनाकाल में सार्वजनिक रूप से किसी भी कार्यक्रम पर प्रतिबंध होने के बावजूद भाजपा नेता के भतीजे ने कोविड नियमों की ऐसी तैसी करते हुए अपने साथियों के साथ सरेआम जन्मदिन का जश्न मनाया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर बर्थ डे बॉय समेत उसके ७ दोस्तों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। घटना है सूरत के भेस्तान क्षेत्र की है। दरअसल कोरोना महामारी के चलते सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद सूरत भाजपा शहर के संगठन मंत्री प्रदीपसिंह राजपूत के भतीजे ने अपने साथियों के साथ भेस्तान क्षेत्र में कोविड नियमों की धज्जियां हुए जन्म दिन का जश्न मनाया। बर्थ डे पार्टी में शामिल कई लोगों ने तो मास्क तक नहीं लगाया था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद हरकत में आई पुलिस ने बर्थ डे बॉय जितेसिंह ब्रिजेशसिंह राजपूत उसके दोस्तों हर्ष रमेश सेन, कमलेश उर्फ तोता राजमणी विश्वकर्मा, दिनकर लक्ष्मण पांडे, दीपक रामसिंग राजपूत,शिवम उर्फ रिन्कु स्वतंत्र प्रतापसिंह राजपूत और नितेश सुभाष गौड को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी।

जीएमईआरएस कॉलेजों के मेडिकल शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार गैर-अभ्यास भत्ता दिया जाएगा

सार-समाचार

पश्चिम रेलवे पर अन्त रराष्ट्रीशय नर्स दिवस मनाया गया

''तौकते'' चक्रवात के चलते गुजरात के बंदरगाहों पर लगा १ नंबर का सिग्नल

अहमदाबाद,गुजरात में साल के पहले चक्रवात के खतरे को देखते हुए राज्य के बंदरगाहों पर एक नंबर का सिग्लनल लगा दिया गया है। ''तौकते'' चक्रवात गुजरात की ओर बढ़ रहा है और १८ मई को उसके गुजरात से टकराने की संभावना है। चक्रवात की वजह से सौराष्ट्र के सभी जिलों में सामान्य से भारी बारिश की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है। गुजरात के तटीय इलाकों को अलर्ट कर दिया गया है। साथ ही राज्य के कई बंदरगाहों पर एक नंबर का सिग्नल भी लगा दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक लक्षद्वीप में गहरे दबाव के क्षेत्र में बदलने के २४ घंटों में चक्रवाती तूफान का रूप ले लेगा। जिसके बाद चक्रवात के उत्तर-उत्तर पश्चिम गुजरात और पाकिस्तान तटों की ओर बढ़ने की संभावना है। तौकते चक्रवात १८ मई की शाम तक गुजरात तट के निकट पहुंच पहुंच सकता है। और मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। पोरबंदर के बंदरगाह पर भी सिग्नल लगा दिया गया है। बता दें कि इस चक्रवात को ''तौकते'' नाम मांम्यार ने दिया है और यह भारतीय तट पर इस साल का पहला चक्रवाती तूफान होगा।

छठवीं मंझिल पर आग में महिला की मौत, पति, पुत्री और पुत्र झुलसे

राजकोट,शहर के रेलवेनगर क्षेत्र के छत्रपति शिवाजी टाउनशिप की छठवीं मंझिल पर आग से अफरातफरी मच गई। इस घटना में महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति, पुत्र और पुत्री बुरी तरह झुलस गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में अब तीसरा हथियार

कोरोना से जंग में उतरा तीसरा हथियार इन्हें लगा स्पूतनिक-वी का पहला टीका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में अब तीसरा हथियार भी उतर चुका है। भारत के टीकाकरण अभियान को अब और गति मिलने वाली है, क्योंकि भारत में रूस से आई स्पूतनिक-वी का पहला टीका लग गया है। भारत में सबसे पहले डॉ. रेड्डी लोबोरेटरीज के कस्टम फार्मा सर्विस के ग्लोबल हेड दीपक सप्रा ने रूसी स्पूतनिक-वी वैक्सीन की पहली खुराक ली है। कंपनी के ही दीपक सप्रा को हैदराबाद में वैक्सीन की पहली डोज दी गई। बता दें कि स्पूतनिक-वी से पहले भारत के पास कोविशील्ड और कोवैक्सीन हैं। इसी के साथ भारत में स्पूतनिक-वी वैक्सीन का आगाज हो चुका है। कंपनी ने इसकी कीमत भी निर्धारित कर दी है। भारतीय बाजारों में रूस से आई वैक्सीन स्पूतनिक-वी की कीमत करीब 955 रुपए होगी। हालांकि, कंपनी का कहना है कि जब भारत में इस वैक्सीन का उत्पादन शुरू होगा तो इसकी कीमतों में कमी हो सकती है। यह वैक्सीन अगले सप्ताह से मार्केट में उपलब्ध होगी।इधर, भारत के टीकाकरण अभियान में इसे जल्द ही शामिल किया जाएगा, क्योंकि सरकार का कहना है कि इस महीने के अंत तक 30 लाख और स्पूतनिक टीके की खुराक भारत पहुंचेंगी। फिलहाल, देश में 1.5 लाख रूसी वैक्सीन ही उपलब्ध है। सरकार की देश में इस टीके का उत्पादन शुरू करने के लिए रेड्डी लेबोरेटरी के अलावा पांच अन्य कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है। इनमें हेटेरो बॉयोफॉर्मा, विरचोव बॉयोटैक, स्टेलिस बॉयोफॉर्मा, ग्लैंड बॉयोफॉर्मा तथा पैनाशिया बॉयोटैक शामिल हैं। सरकार की कोशिश है कि जुलाई से देश में निर्मित स्पूतनिक वी वैक्सीन मिलनी शुरू हो जाएगी। शुरुआत में इस वैक्सीन की क्षमता पर सवाल खड़े किए गए, मगर बाद में जब इस साल फरवरी में ट्रायल के डेटा को द लांसेट में पब्लिश किया गया तो इसमें इस वैक्सीन को सेफ और इफेक्टिव बताया गया। दरअसल कोविड-19 के रूसी टीके 'स्पूतनिक-वी के तीसरे चरण के परीक्षण में यह 91.6 प्रतिशत प्रभावी साबित हुई है और कोई दुष्प्रभाव भी नजर नहीं आया। 'द लांसेट' जर्नल में प्रकाशित आंकड़ों के अंतरिम विश्लेषण में यह दावा किया गया है। अध्ययन के ये नतीजे करीब 20,000 प्रतिभागियों से एकत्र किए गए आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित हैं।

गोवा में ऑक्सीजन की कमी से 15 और मरीजों की मौत, अनुभवहीन ट्रैक्टर ड्राइवर की कमी कारण

पणजी।

गोवा मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में ऑक्सिजन की अनियमित सप्लाई से 15 और कोरोना मरीजों की मौत हो गई। दो दिन पहले भी ऑक्सिजन की कमी से 26 मरीजों की मौत से हड़कंप मचा था। मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान गोवा सरकार ने ऑक्सिजन सेवा बाधित होने के पीछे एक्सपर्ट ट्रैक्टर ड्राइवर की कमी का हवाला दिया है। इस पर हाईकोर्ट ने फटकार लगा दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गोवा सरकार को सख्त आदेश देकर यह सुनिश्चित करने को कहा था कि अस्पताल में ऑक्सिजन की कमी से अब और मरीजों की जान नहीं जानी चाहिए। बताया जा रहा है कि बुधवार को भी अस्पताल में ऑक्सिजन की कमी से अपुष्ट मौतें हुई थीं।बॉम्बे हाई कोर्ट में ऑक्सिजन की कमी से होने वाली मौत मामले जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान जीएमसी के नोडल अधिकारी डॉ. विराज खंडेपरकर ने कहा, 'ऑक्सिजन सप्लाई बाधित होने के चलते अस्पताल में मरीजों की मौत हो रही हैं। ऑक्सीजन सेवा में व्यवधान के चलते गुरुवार आधी रात से सुबह 8 बजे के बीच 15 मरीजों की मौत हो गई।' गुरुवार रात एक बजकर 25 मिनट पर मरीज के परिजनों की ओर से इमर्जेंसी कॉल करके बताया गया कि जीएमसी में ऑक्सिजन लेवल गिर रहा है। वॉर्ड 143, 144, 145, 146 और 149 में ऑक्सिजन की कमी हुई। डॉक्टरों ने भी फौरन ऑक्सिजन सप्लाइ के लिए जीएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों और स्कूप इंडस्ट्री (ऑक्सिजन सप्लाई के लिए इंडस्ट्री का जीएमसी के साथ कॉन्ट्रैक्ट हुआ है) को कॉल किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। राज्य सरकार, विशेष रूप से स्वास्थ्य सचिव रवि धवन ने कोर्ट के समक्ष कहा कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सिजन है। उन्होंने सप्लाई बाधित होने के पीछे ऑक्सिजन सिलिंडर के चेंजओवर को वजह बताकर राज्य में प्रशिक्षित ट्रैक्टर डाइवरों का हवाला दिया। धवन ने कहा, 'यहां ऑक्सिजन का अकाल नहीं है, जो मौतें हो रही हैं, वे लॉजिस्टिकल कारणों से है।' इस पर हाईकोर्ट ने फटकार लगाकर कहा कि राज्य के अधिकारी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर रहे हैं।गुरुवार रात 1 बजकर 45 मिनट और 2 बजे के बीच ट्रैक्टर ड्राइवर बीच रास्ते में फंस गया, जहां से एक बार में केवल ट्रैक्टर की ही आवाजाही हो सकती है। ऑक्सिजन मेनिफोल्ड जीएमसी के बेसमेंट में मौजूद है और ड्राइवर 15 से 20 मिनट तक वहां फंसा रहा जिसके चलते ऑक्सिजन सिलिंडर बदलने में अतिरिक्त समय लगा।

हिमाचल में 17 मई से 18-44 आयु वर्ग का टीकाकारण होगा, सोमवार और गुरुवार का दिन तय

शिमला (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश में 18 से 44 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान 17 मई से शुरू होगा। विशेष स्वास्थ्य सचिव निपुन जिंदल ने कहा कि राज्य को इस आयु वर्ग के लोगों के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से कोविशील्ड टीके की 1,07,620 खुराक मिली है। उन्होंने कहा कि 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों को केवल सोमवार और गुरुवार को टीका लगेगा, इसके लिए दो दिन पहले कोविन पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। जिंदल ने कहा कि राज्य ने इस आयु वर्ग के लिए और टीके मंगाने का ऑर्डर दे दिया है। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कोविन पोर्टल पर 15 मई से निर्धारित समय दिखने लगेगा। उन्होंने बताया कि टीकाकरण अभियान के लिए एचआरटीसी कंडक्टर और चालक, पेट्रोल पम्प पर काम करने वाले कर्मी, कोविड ड्यूटी पर लगे शिक्षक, बैंक और वित्तीय सेवाओं के कर्मी, केमिस्ट, लोक मित्र केंद्र के कर्मी, डब्ल्यूसीडी विभाग के तहत आने वाले बाल देखभाल संस्थान के कर्मचारियों और दवा उद्योग के कर्मचारियों को प्राथमिकता समूह में घोषित किया गया है।

उपराष्ट्रपति ने ईद उल फित्र के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने ईद उल फित्र के अवसर पर देशवासियों को बधाई देकर उनसे वर्तमान परिस्थितियों को देखकर घर पर ही रह कर आस्थापूर्वक एवं हर्षोल्लास से ईद मनाने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नायडू के हवाले से ट्वीट किया,ईद उल फित्र के पावन अवसर पर देशवासियों को हार्दिक बधाई ! उपराष्ट्रपति ने कहा, यह श्रद्धा,त्याग, करुणा व सौहार्द जैसे मानवीय मूल्यों का पर्व है। आग्रह करता हूं कि परिस्थितियों को देखते हुए, ईद घर पर ही रह कर आस्थापूर्वक हर्षोल्लास से मनाएं।'' नायडू ने लोगों से कहा, आप और आपके स्वजन स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें, मेरी शुभकामनाएं।

मुख्तार के करीबी समेत दो की हत्या, एनकाउंटर में मारा गया शूटर भी

लखनऊ (एजेंसी)।

चित्रकूट जेल गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठा। सीतापुर के शार्प शूटर अंशुल दीक्षित ने दो टॉप मोस्ट अपराधियों वसीम काला और मिराजुद्दीन को गोलियों से भून डाला। बाद में पुलिस ने मुठभेड़ में अंशुल उर्फ अंशू को भी मार गिराया। मिराजुद्दीन मुख्तार गैंग का शातिर अपराधी बताया जा रहा है। जेल सूत्रों के मुताबिक शातिर अपराधी अंशुल कई महीने से जेल में निरुद्ध है। वेस्ट यूपी के गैंगस्टर वसीम काला और पूर्वांचल के मुख्तार गैंग का गुर्गे मिराजुद्दीन को भी काफी दिनों पहले चित्रकूट जेल में लाया गया था। शुक्रवार सुबह अंशुल ने मौका पाकर पिस्टल से दोनों बदमाशों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। जब तक सुरक्षाकर्मी कुछ समझ पाते कई राउंड गोलियां वसीम और मेराजुद्दीन पर उतार दीं। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने अंशुल को ललकारा और आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन उसने सुरक्षा कर्मियों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में वह पुलिस की गोली से मारा गया। खबर मिलते ही आईजी, कमिश्नर, डीएम, एसपी समेत सारे आला अफसर जेल पहुंच गए। घंटेभर के अंदर जेल के अंदर कई थानों का फोर्स भी मोर्चा लेने पहुंच गई। मारा गया बदमाश मुकीम सहारनपुर जेल से ट्रांसफर होकर आया था जबकि मुख्तार का गुर्गा मेराजुद्दीन बनारस से लाया गया था। बताया जा रहा है कि अंशु दीक्षित ने मुकीम, मेराजुद्दीन के अलावा तीन अन्य कैदियों पर भी हमला किया था। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। सीतापुर जिले के मानकपुर कुड़रा बनी का मूल निवासी अंशुल उर्फ अंशू दीक्षित लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र के रूप दाखिला लेने के बाद अपराधियों के संपर्क में आया। वर्ष 2008 में वह गोपालगंज (बिहार) के भोरे में अवैध असलहों के साथ पकड़ा गया था।

चुनाव के दौरान हुईं गलतियां आकलन के लिए आयोग ने बनाई समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हाल ही में संपन्न हुए राज्य विधानसभा चुनावों में कमियों की पहचान करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा एक कोर कमेटी का गठन किया गया है। चुनाव आयोग के महासचिव की अध्यक्षता वाली कोर कमेटी असम, बिहार, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हाल ही में हुए चुनावों से मिली सीख, अनुभवों और कमियों की पहचान करेगी। यह कमेटी नियामक व्यवस्था में कमियों, अंतरालों की पहचान करेगी और बदलावों को लागू करेगी। आपको बता दें कि कोरोना काल में बीते दिनों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव संपन्न हुआ था। इन चुनावों में चुनाव आयोग पर मद्रास हाईकोर्ट ने गंभीर और सख्त टिपण्णी की थी। कोर्ट ने सीधे तौर पर चुनाव आयोग के दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया था। कोर कमेटी को निर्वाचन आयोग के नियामकीय शासन में कमियों और राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारियों तथा जिला अधिकारियों के स्तर पर क्रियान्वयन में अंतराल की पहचान करने का काम सौंपा गया है। गुरुवार को जारी एक बयान के मुताबिक, कमेटी कानूनी और नियामकीय ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी गौर करेगी ताकि आयोग कोविड-19 संबंधी नियमों समेत सभी दिशा-निर्देशों का प्रभावी तरीके से पालन सुनिश्चित करा सके। निर्वाचन आयोग को आरोपों का सामना करना पड़ा कि वह चुनाव प्रचार के दौरान कोविड-19 के नियमों का पालन करवाने में नाकाम रहा। आरोपों को खारिज करते हुए आयोग ने कहा था कि उसने प्रचार की अवधि घटाकर कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए अपनी संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल किया और उल्लेख किया कि आपदा प्रबंधन कानून के प्रावधानों को लागू करना राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) की जिम्मेदारी है। कोर कमेटी निष्पक्ष चुनाव के लिए व्यय प्रबंधन नियमन को मजबूत करने के लिए उपायों पर भी गौर करेगी। बयान में कहा गया कि कोर कमेटी की सिफारिशों से निर्वाचन आयोग को आगामी चुनावों के लिए आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। निर्वाचन आयोग के महासचिव उमेश सिन्हा की अध्यक्षता वाली 'कोर कमेटी को एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

टीकों की कमी के कारण नहीं बढ़ाया गया, दोनों टीकों के बीच गैप, वैज्ञानिक आधार पर लिया गया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना की कोविशील्ड वैक्सीन की डोज का अंतराल 3 महीने या उससे बढ़ाने पर लोगों का कहना है, कि शायद सरकार ने टीकों की कमी से निपटने के लिए ऐसा किया है। इन कयासों को खारिज कर कोविड वर्किंग ग्रुप के सदस्य एनके अरोड़ा ने कहा है कि ऐसा वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर किया गया है। उन्होंने कहा कि टीकों की कमी से निपटने में इससे मदद नहीं मिलेगी, बल्कि यह ज्यादा लाभकारी है। गुरुवार को ही मोदी सरकार ने कोविशील्ड के दो टीकों के बीच 12 से 16 सप्ताह तक का गैप रखने का फैसला लिया है। इसके पहले यह गैप 6 से 8 सप्ताह तक का ही था। इसके बाद सवाल यह भी है कि क्या पहले ही एक महीने के अंतराल पर वैक्सीन लगवा चुके लोगों पर टीका कम असर करेगा? इसका जवाब देकर एनके अरोड़ा ने बताया कि ऐसा नहीं है। अरोड़ा ने कहा, जिन लोगों ने एक महीने या फिर दो महीने से कम में ही दूसरा टीका ले लिया है, उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उनके शरीर में एंटीबॉडीज का अच्छा प्रोडक्शन होगा। कोविड वर्किंग ग्रुप की ओर से ही गुरुवार को कोविशील्ड के टीके के गैप को 6 से 8 सप्ताह की बजाय 12 से 16 तक करने की सिफारिश की गई थी। ग्रुप की सिफारिश को कुछ देर बाद ही मोदी सरकार ने इस सिफारिशों को मान लिया था।

दोनों टीकों के बीच गैप बढ़ाने को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा टीकों की किल्लत के चलते नहीं हुआ है। डॉ. अरोड़ा ने कहा, यदि हम टीकों में गैप को एक महीने के लिए बढ़ा देते हैं,तब इससे क्या फर्क होगा? इससे सिर्फ 4 से 6 करोड़ डोज का फर्क होगा। इसकारण एक महीने की देरी से दूसरी डोज दिए जाने से टीकों की किल्लत की समस्या से शायद ही निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह से वैज्ञानिक आधार पर लिया है और इससे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होगा।

कृषि कानूनों के विरोध

कोरोना को लेकर राकेश टिकैत का खट्टर पर पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कृषि कानूनों के विरोध में बीते 5 महीने से भी अधिक समय से आंदोलन कर रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने किसान आंदोलन से गांवों में संक्रमण फैलने के हरियाणा सरकार के दावे को गलत बताया है। टिकैत ने शुक्रवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर पर पलटवार करते हुए कहा कि सरकार फेल हुई उसका ठिकरा आप यहां फोड़ना चाह रहे हैं, अब इनके पास कुछ और नहीं रहा तो आंदोलन को ही बदनाम करो। पूरे देश में लोग क्या यहां से ही गए हैं। बता दें कि केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान दिल्ली के सिंघु और टीकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर के अलावा हरियाणा के कई स्थानों पर भी पिछले 5 महीने से भी अधिक समय से धरना दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सीएम खट्टर ने गुरुवार को किसानों से कोरोना महामारी के मद्देनजर प्रदर्शन स्थगित करने की अपील की थी। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि धरनास्थलों से किसानों की आवाजाही के कारण गांवों में भी संक्रमण फैल रहा है। खट्टर ने कहा था कि किसान बाद में अपनी इच्छा से प्रदर्शन दोबारा शुरू कर सकते हैं, लेकिन अभी उन्हें इसे बंद कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा था अगर किसान धरना दोबारा शुरू करना चाहेंगे तो वे स्थिति नियंत्रण में आने के बाद ऐसा करने को स्वतंत्र हैं। खट्टर ने कहा कि उन्होंने एक महीने पहले ही किसान नेताओं से धरना स्थगित करने की अपील की थी ताकि संक्रमण नहीं फैले। किसानों के धरनास्थल से आवाजाही का जिक्र करते हुए खट्टर ने कहा कि इन धरनों की वजह से ऐसी चीजें सामने आ रही है कि संक्रमण फैल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई गांव संक्रमण के केंद्र के रूप में सामने आए हैं क्योंकि लोग नियमित रूप से धरना स्थलों से आ-जा रहे हैं। खट्टर ने कहा कि किसान नेताओं को अब भी स्थिति को समझना चाहिए। वे बार-बार कह रहे हैं कि टीका लगवाएंगे, लेकिन वो खुद अपनी जांच कराने को इच्छुक नहीं हैं। अगर वे जांच नहीं कराते हैं तो कोई नहीं जान सकता कि कौन संक्रमित है।उन्होंने कहा कि उन्हें जांच के लिए सामने आना चाहिए और जो संक्रमित पाए जाते हैं उनका इलाज किया जा सकता है और उसके अनुरूप जरूरी कदम उठाए जा सकते हैं। किसानों की जांच से इनकार करने का संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रणाली पर भरोसा रखना चाहिए। अगर हम आशंका करना शुरू कर देंगे तो यह हमारी संकुचित मानसिकता को प्रदर्शित करेगा। इसलिए धरनास्थल पर बैठे किसानों से मेरी अपील है कि वे अपनी जांच अवश्य कराएं।

संक्षिप्त समाचार

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 1 करोड़ 92 लाख कोरोना वैक्सीन देगा केंद्रः प्रकाश जावड़ेकर

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा है कि केंद्र सरकार 16-31 मई के पखवाड़े के दौरान राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 1 करोड़ 92 लाख कोविड वैक्सीन सप्लाई करेगी। इससे पहले शुक्रवार को पीएम मोदी ने कहा, ''केंद्र सरकार और सारी राज्य सरकारें मिल कर यह निरंतर प्रयास कर रही हैं कि ज्यादा से ज्यादा देशवासियों को तेजी से टीका लग पाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम किसान) के तहत आर्थिक लाभ की आठवीं किस्त जारी करने के बाद वीडियो कांफ्रेंस से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे पीएम मोदी ने टीके को कोरोना से बचाव का बहुत बड़ा माध्यम बताते हुए कहा कि देश भर में टीकों की 18 करोड़ से अधिक खुराक लोगों को दी जा चुकी है। पीएम मोदी ने कहा, ''केंद्र सरकार और सारी राज्य सरकारें मिल कर यह निरंतर प्रयास कर रही हैं कि ज्यादा से ज्यादा देशवासियों को तेजी से टीका लग पाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, सफाई कर्मी, एंबुलेंस ड्राइवर, लैब कर्मचारी, सभी एक-एक जीवन को बचाने के लिए चौबीसों घंटे जुटे हैं। उन्होंने कहा, आज देश में जरूरी दवाओं की आपूर्ति बढ़ाने के लिए युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है।

दंपति ने कार खरीदने के लिए बेच दिया नवजात

कन्नौज । उत्तर प्रदेश के कन्नौज से रिश्तों को शर्मसार और दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। एक दंपती ने कार खरीदने के लिए अपने नवजात बच्चे का सौदा कर दिया। डेढ़ लाख रुपए में बच्चे को एक व्यवसायी को बेचकर मां-बाप ने एक सेकेंड हैंड कार खरीदी। घटना का खुलासा बच्चे के नाना-नानी ने किया। उन्होंने पुलिस से सम्पर्क कर बच्चे के मां-बाप के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक कन्नौज के तिरवा कोतवाली क्षेत्र के सतौर में तीन महीने पहले इस बच्चे का जन्म हुआ था। नाना-नानी ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि उनकी बेटी और दामाद ने कार खरीदने के लिए नवजात बच्चे को गुरसहायगंज के एक व्यवसायी को डेढ़ लाख रुपये में बेच दिया था। इंस्पेक्टर कोतवाल शैलेंद्र मिश्रा ने बताया कि बच्चा अभी भी व्यापारी के कब्जे में है। पुलिस महिला और उसके पति से पूछताछ कर रही है। उधर, एक सेकेंड हैंड कार के लिए अपने ही मां-बाप द्वारा नवजात को बेचे जाने की खबर से इलाके में हर कोई हैरान है। कोतवाली में केस दर्ज होने के बाद यह मामला सामने आया है। दंपती ने नवजात को बेचने के बाद मिले डेढ़ लाख रुपयों से पुरानी सेकेंड हैंड कार खरीद भी ली। साथ ही बच्चे को बेचे जाने की भनक आठ दिनों तक किसी को नहीं लगने दी।

असम के तिनसुकिया में ग्रेनेड विस्फोट 1 व्यक्ति की मौत और 2 घायल

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले में एक बार फिर से ग्रेनेड विस्फोट हुआ है। इस विस्फोट से कथित तौर पर 1 व्यक्ति की मौत हो गई और 2 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है, ये विस्फोट तिनसुकिया के तिंगराई बाजार में हुआ है। इससे पहले 11 मई को असम के तिनसुकिया में ग्रेनेड विस्फोट हुआ था। जिसमें एक 12 वर्षीय लड़के की मौत हो गई थी। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक वैभव निंबालकर ने बताया था कि सड़क किनारे पड़ा ग्रेनेड उस समय अचानक फट गया, जब सुजॉय हाजोंग जगुन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हाजोंग गांव में अपनी साइकिल चला रहा था.

छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों 9121 नए मामले सामने आए, 150 लोगों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों के दौरान 9121 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। राज्य में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 8,92,331 हो गई है। राज्य में गुरुवार को 1455 मरीजों को संक्रमण मुक्त होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी गई है, जबकि 10,819 लोगों ने घरों में पृथक-वास पूर्ण किया है। राज्य में इस दौरान कोरोना के 195 मरीजों की मौत हुई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया किरायपुर जिले से 655, दुर्ग से 278, राजनांदगांव से 252, बालोद से 250, बेमेतरा से 144, कबीरधाम से 220, धमतरी से 196, बलौदाबाजार से 622, महासमुंद से 296, गरियाबंद से 251, बिलासपुर से 433, रायगढ़ से 721, कोरबा से 462, जांजगीर चांपा से 583, मुंगेली से 445, गौरेला पेंड्रा मरवाही से 230, सरगुजा से 472, कोरिया से 383, सूरजपुर से 535, बलरामपुर से 426, जशपुर से 394, बस्तर से 267, कोंडागांव से 100, दंतेवाड़ा से 69, सुकमा से 59, कांकेर से 295, नारायणपुर से 31 और बीजापुर से 49 नये मामले सामने आये जबकि तीन नये मरीज अन्य राज्य से हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अभी तक 7,61,592 मरीज इलाज के बाद संक्रमण मुक्त हुए हैं। राज्य में फिलहाल1,19,450 मरीज उपचाराधीन हैं। राज्य में वायरस से अबतक 11289 लोगों की मौत हुई है। राज्य के रायपुर जिले में सबसे अधिक 1,51,866 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि की गई है। जिले में कोरोना वायरस संक्रमित 2917 लोगों की मौत हुई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)